रोहतक
रविवार, 22 जून, 2025
आषाढ़ मास कृष्ण पक्ष
द्वादशी वर्ष : 29, अंक : 142
पृष्ठ : 14 मूल्य : 3.00

मौसम
अधि. 39.6
न्यून. 25.2

हरिभूमि

हरियाणा, दिल्ली, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com

पंत का 'शतक' योग

सर्वाधिक टेस्ट शतक जड़ने वाले भारतीय विकेटकीपर बने पंत, धोनी को पछाड़ा

लीड्स। ऋषभ पंत टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले भारतीय विकेटकीपर बन गए। उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट के दूसरे दिन 7वां टेस्ट शतक लगाकर महेंद्र सिंह धोनी को पछाड़ दिया। धोनी ने 90 टेस्ट में 4876 रन बनाए, जिसमें छह शतक और 33 अर्धशतक शामिल हैं। पंत ने इस पारी के साथ ही 3000 टेस्ट रन भी पूरे कर लिए। *(खेल पेज भी देखें)*

स्वामी रामदेव व सभी बेटों ने डाली अंतिम 5 आहुति

स्वर्गीय चौधरी मित्रसेन आर्य की समाधि के बराबर ही वैदिक रीति रिवाज से उन्हें पंचतत्व में विलीन किया गया। मंत्रोच्चारण पद्मश्री आचार्या डॉ. सुकामा व उनकी टीम ने किया। आखिर की पांच आहुति स्वामी रामदेव, कैप्टन रुद्रसेन सिंधु, वीरसेन, वृतपाल सिंधु, कैप्टन अभिमन्यु, मेजर सत्यपाल व देव सुमन ने डाली।

वैदिक रीति रिवाज के साथ माता परमेश्वरी देवी पंचतत्व में विलीन

स्वामी रामदेव, दिल्ली के कैबिनेट मंत्री प्रवेश वर्मा समेत हजारों लोगों ने दी श्रद्धांजलि

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौंद

वैदिक पथ के पथिक स्व.चौधरी मित्रसेन जी की धर्मपत्नी माता परमेश्वरी देवी जी का अंतिम संस्कार शनिवार को गांव खांडा खेड़ी में भारत मित्र स्तंभ के पास वैदिक रीति रिवाज के साथ किया गया। उनके बड़े बेटे कैप्टन रूद्रसेन सिंधु ने उन्हें मुखाग्नि दी। इससे पहले श्रद्धांजलि देने पहुंचे योग गुरु स्वामी रामदेव स्वयं माता परमेश्वरी देवी के पार्थिव शरीर को उनके बेटों के साथ कंधा देते हुए वेदी तक लेकर गए। स्वामी रामदेव के अलावा आचार्य बालकृष्ण, दिल्ली के कैबिनेट मंत्री प्रवेश वर्मा, हरिणाणा विस के डिप्टी स्पीकर कृष्ण मिढ़ा, कैबिनेट मंत्री कृष्ण बेदी, सांसद धर्मवीर सिंह सहित अनेक राजनेताओं, सामाजिक संगठनों तथा साधु-संतों ने उन्हें श्रद्धांजलि दी। शोक बैठक रोहतक के सेक्टर-14 स्थित सिंधु भवन में होगी।

बता दें कि माता परमेश्वरी देवी का शुक्रवार को 89 वर्ष की आयु में दिल्ली के निजी हॉस्पिटल में निधन हो गया था। वे पिछले कुछ समय से अस्वस्थ चल रही थीं। शनिवार को उनके पार्थिव शरीर को रोहतक से गांव खांडा खेड़ी लाया गया। रास्ते में जगह-जगह पर लोगों ने नम आंखों से उन्हें श्रद्धांजलि दी। गांव खांडा खेड़ी के माता जियो देवी कॉलेज के प्रांगण में अंतिम दर्शन करने के लिए पार्थिव शरीर को रखा गया। इस दौरान स्वामी रामदेव पहुंचे और उन्होंने माता परमेश्वरी देवी के पार्थिव शरीर के चरण छूकर नम आंखों से श्रद्धांजलि दी। अंतिम संस्कार की पूरी प्रक्रिया के दौरान स्वामी रामदेव व आचार्य बालकृष्ण समाधि स्थल के पास खड़े रहे। *(पेज दो भी देखें)*

इन्होंने भी दी श्रद्धांजलि

योग गुरु बाबा रामदेव ने कहा कि मां का स्थान ईश्वर के समकक्ष होता है। माता परमेश्वरी देवी एक तपस्विनी व संस्कारी मां थीं, जिन्होंने देशभक्ति सेवा व त्याग की प्रेरणा दी। उनका जीवन आने वाली पीढ़ियां के लिए मार्गदर्शक रहेगा। वहीं, माता परमेश्वरी देवी को श्रद्धांजलि देने वालों में प्रमुख रूप से सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा के अध्यक्ष स्वामी आर्यवेश, स्वामी आदित्यावेश, स्वामी प्रणवानंद, स्वामी संपूर्णानंद, स्वामी धनंजय, आचार्य विजयपाल, आचार्य वेदनिष्ठ, दिल्ली के मंत्री प्रवेश वर्मा, डिप्टी स्पीकर कृष्ण मिढ़ा, सामाजिक न्याय अधिकारिता मंत्री कृष्ण बेदी, सांसद धर्मबीर सिंह, पूर्व केंद्रीय मंत्री सुभाष महरिया, पूर्व मंत्री ओमप्रकाश धनखड़, पूर्व मंत्री बिजेंद्र बिल्लू, सफीदों से विधायक रामकुमार गौतम, हांसी से विधायक विनोद भयाना, छपरौली से पूर्व विधायक सहेंद्र सिंह रमाला, पूर्व विधायक बलराज कुंडू, जाकिर हुसैन, जिला परिषद अध्यक्ष सोनू डाटा, भाजपा जिला अध्यक्ष अशोक सैनी, रणधीर धीरू, अजय सिंधु, बिजेंद्र लोहान, पार्षद दर्शनगिरी, प्रवीण जैन, राजेंद्र बेरवाल, डॉ. राजबीर मोर, संजय खरब, राजबीर खेड़ीवाला, जेजेपी नेता अमित बूरा, ईश्वर सिंघवा, ओमप्रकाश ढांडा, अमित मोर, ईश्वर बडाला समेत अनेक गणमान्य लोग शामिल थे।

11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर मुख्यमंत्री ने किए कई बड़े ऐलान

योग शिक्षक भर्ती होंगे, सरकारी दफ्तरों में 5 मिनट का योग ब्रेक

हरिभूमि न्यूज ⏭ चंडीगढ़/कुरुक्षेत्र

प्रदेश में शनिवार को 11वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस बड़े उत्साह के साथ में मनाया गया। सभी 22 जिलों और 121 खंडों में आयोजित कार्यक्रमों में करीब 20 लाख से अधिक लोगों ने ध्यान लगाया और योगाभ्यास किया। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय और योग गुरु स्वामी रामदेव के साथ कुरुक्षेत्र में पवित्र ब्रह्मसरोवर पर आयोजित कार्यक्रम में भाग लिया। इस कार्यक्रम में 1 लाख से अधिक लोगों ने एक साथ योग करके 'एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग' का संदेश दिया। राज्य स्तरीय समारोह में आयुष एवं स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव, सांसद नवीन जिंदल और आयुर्वेदाचार्य बालकृष्ण सहित कई गणमान्य अतिथि शामिल हुए। इस मौके पर सीएम सैनी ने कई बड़े ऐलान किए। सीएम ने कहा कि प्रदेश में योग शिक्षकों की भर्ती होगी, सरकारी कार्यालयों में 5 मिनट का योग ब्रेक शुरू किया जाएगा।

कुरुक्षेत्र में राज्यपाल और सीएम सैनी ने रामदेव संग किया योग

विश्वविद्यालयों में योग पर शोध होगा

- सरकारी स्कूलों में विद्यार्थियों के योग प्रदर्शन के मूल्यांकन के लिए क्रेडिट आधारित प्रणाली शुरू की जाएगी।
- सभी विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में योग को शैक्षणिक पाठ्यक्रम के रूप में लागू किया जाएगा।
- एक समान योग पाठ्यक्रम शीघ्र तैयार किया जाएगा।
- योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा विषयों को इस वर्ष से ही आयुष चिकित्सा प्रणाली के अंतर्गत मान्यता देंगे।
- ऐसे चिकित्सकों का राजकीय पंजीकरण आरंभ किया जाएगा।
- योगासन को खेल के रूप में राष्ट्रीय स्तर पर सुदृढ़ करने के लिए कोच नियुक्ति किए जाएंगे।
- खेल विभाग में 40 योग शिक्षकों की भर्ती शीघ्र शुरू की जाएगी।
- प्रदेश के सभी सरकारी कार्यालयों में 5 मिनट का 'योगा-ब्रेक' कार्यक्रम शुरू होगा।
- विश्वविद्यालयों में योग पर शोध के लिए योग लेखक प्रोत्साहन योजना लागू की जाएगी।
- योजना के तहत हर वर्ष ऐसे उत्कृष्ट लेखकों को सम्मानित किया जाएगा।
- चालू वित्त वर्ष में 100 नई योग एवं व्यायाम शालाएं खेली जाएंगी। अभी 883 योग एवं व्यायामशालाएं खोली जा चुकी हैं।
- श्री कृष्ण आयुष विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय ध्यान केंद्र के लिए हॉल का निर्माण करवाएंगे।

हरियाणा हुआ योगमय

मुख्यमंत्री ने कहा कि पूरा हरियाणा योगमय हो गया है। योग केवल व्यायाम का रूप नहीं, बल्कि जीवन जीने का एक संपूर्ण विज्ञान है। यह जीवन जीने की कला है, इसीलिए कहा गया है 'हर रोज करें योग, जीवन भर रहें निरोग'।

योग जीवन, भक्ति, प्रकृति व संस्कृति का आधार : रामदेव

योग गुरु स्वामी रामदेव ने कहा, योग जीवन, भक्ति, प्रकृति और संस्कृति का आधार है। पीएम नरेंद्र मोदी के प्रयासों से 2014 में संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा ऐतिहासिक प्रस्ताव पारित कर 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस घोषित किया गया। उस समय 177 देशों ने इस प्रस्ताव का समर्थन किया था और आज 200 से अधिक देश योगमय हो रहे हैं। योग सनातन पद्धति लोगों की जीवन पद्धति बन रही है। पीएम का विजन है विरासत के साथ विकास हो, संस्कृति के साथ समृद्धि हो और योग धर्म के साथ राष्ट्र धर्म हो।

पुस्तिकाओं विमोचन

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पतंजलि योगपीठ की योग गुरु स्वामी रामदेव के जीवन परिचय और योग यात्रा पर आधारित 3 पुस्तिकाओं और हरियाणा योग आयोग द्वारा तैयार योग प्रोटोकॉल पुस्तिका का भी विमोचन किया।

मोदी बोले, दुनिया तनाव से गुजर रही है योग से हमें शांति की दिशा मिलती है

योग दिवस समारोह ने रिकॉर्ड बनाया

आंध्र में तेदेपा नीत राजग सरकार के विशाल योग दिवस समारोह ने रिकॉर्ड बनाया है। राज्य सरकार ने बताया कि इस दौरान 23 नई उपलब्धियां हासिल की गईं। जिनमें 21 'वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड' और दो 'गिनीज रिकॉर्ड' शामिल हैं।' करीब 22,122 आदिवासी छात्रों ने एक ही स्थान पर 108 मिनट तक 108 सूर्य नमस्कार करके दूसरा गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया। यह उपलब्धि आंध्र विश्वविद्यालय में हासिल की गई।

देश-दुनिया ने पूरे उत्साह के साथ लगाया ध्यान

मोदी ने 11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर विशाखापत्तनम में साधकों के साथ किया योगाभ्यास, 23 रिकॉर्ड बने

नई दिल्ली/विशाखापत्तनम (भाषा)। देशभर में लाखों लोगों ने 11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस को पूरे उत्साह के साथ मनाया, जिसमें योगासन और ध्यान का अभ्यास किया गया। पीएम नरेन्द्र मोदी ने आंध्र प्रदेश के तटीय शहर विशाखापत्तनम से इस समारोह का नेतृत्व किया। इस मौके पर मोदी ने कहा, 'दुर्भाग्य से आज दुनिया किसी न किसी तनाव से गुजर रही है, कितने ही क्षेत्रों में अशांति और अस्थिरता बढ़ रही है। ऐसे में योग से हमें शांति की दिशा मिलती है तथा यह सभी को जोड़ता है। 'योग एक 'पॉज बटन' है, जिसकी मानवता को आवश्यकता है, जिससे कि वे खुलकर सांस ले सकें, जीवन में संतुलन बना सकें व पुनः संपूर्ण बन सकें।' 'मेरा दुनिया से अनुरोध है कि आइए, इस योग दिवस को मानवता के लिए योग 2.0 के आरंभ के रूप में मनाएं, जहां आंतरिक शांति वैश्विक नीति बन जाती है।' इस साल अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की थीम 'एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग' है, जो एक गहरी सच्चाई को दर्शाता है कि धरती पर हर इकाई का स्वास्थ्य परस्पर जुड़ा हुआ है। **(पैकेज पेज 5 पर)**

इजराइल ने अब ईरान के परमाणु अनुसंधान केंद्र पर किया हमला

दोनों देश अड़े

- एक परमाणु वैज्ञानिक और तीन वरिष्ठ कमांडरों की मौत
- ईरान ने इजराइल पर ड्रोन दागे
- ईरान बोला, परमाणु प्रोग्राम हमारा हक

तेल अवीव (भाषा)। इजराइल की सेना ने शनिवार को कहा कि उसने बीती रात ईरान की परमाणु अनुसंधान सुविधा पर हमला किया और निशाना बनाकर किए गए हमलों में एक परमाणु वैज्ञानिक और तीन वरिष्ठ ईरानी कमांडरों की मौत हो गई। इस्फहान में एक पर्वत के निकट इलाके से धुआं उठता दिखाई दिया, जहां एक स्थानीय अधिकारी ने कहा कि इजराइल ने दो बार परमाणु अनुसंधन सुविधा पर हमला किया। ईरान ने एक बार फिर इजराइल पर ड्रोन और मिसाइल दागे, लेकिन तत्काल कोई महत्वपूर्ण नुकसान की जानकारी नहीं मिली है। वहीं, ईरान के राष्ट्रपति मसूद पजशकियान ने कहा कि हमारा देश परमाणु प्रोग्राम नहीं रोकेगा, यह हमारा हक है। कोई भी हमें धमकी नहीं दे सकता। दूसरी तरफ अमेरिका ने भी अपने स्टेल्थ बी-2 बॉम्बर्स प्रशांत महासागर में उतार दिए हैं। इससे तनाव और बढ़ेगा।

अहमदाबाद विमान हादसा

एयर इंडिया के 3 अफसरों को हटाने के आदेश

नई दिल्ली(एजेंसी)। अहमदाबाद हादसे के बाद डीजीसीए ने शनिवार को एयर इंडिया को 3 अफसरों को हटाने का आदेश दिया। इनमें डिविजिनल वाइस प्रेसिडेंट चूड़ा सिंह, क्रू शेड्यूलिंग वाली चीफ मैनेजर पिंकी मित्तल और क्रू शेड्यूलिंग की प्लॉनिंग से जुड़ी पायल अरोड़ा शामिल हैं। तीनों के खिलाफ यह कार्रवाई एविएशन सेफ्टी प्रोटोकॉल के उल्लंघन को लेकर की गई। डीजीसीए ने एयर इंडिया को तत्काल प्रभाव से इन्हें क्रू शेड्यूलिंग और रोस्टरिंग से जुड़े रोल से हटाने का आदेश दिया। उधर, एयर इंडिया ने कहा कि डीजीसीए के आदेश को लागू कर दिया है। कंपनी के चीफ ऑपरेशन्स ऑफिसर इंट्रीग्रेटेड ऑपरेशन्स कंट्रोल सेंटर की निगरानी करेंगे।

डीजीसीए ने एयरलाइंस से दस दिन में रिपोर्ट मांगी

मतदान केंद्र की फुटेज साझा करना मतदाताओं की सुरक्षा के खिलाफ

चुनाव आयोग ने कहा, यह गोपनीयता का उल्लंघन

इससे वोट देने वाले और न देने वाले दोनों प्रभावित होंगे

■

असामाजिक तत्वों का दबाव, भेदभाव व धमकी झेलनी पड़ेगी

■

राहुल गांधी बोले, जिससे जवाब चाहिए वहीं सबूत मिटा रहा

नई दिल्ली (भाषा)। मतदान केंद्रों की वेबकास्टिंग फुटेज सार्वजनिक करने की मांगों के बीच, निर्वाचन आयोग के अधिकारियों ने शनिवार को कहा कि ऐसा कदम मतदाताओं की गोपनीयता और सुरक्षा से संबंधित चिंताओं का उल्लंघन होगा। अधिकारियों ने दावा किया कि जो मांग एक तर्कसंगत अनुरोध के रूप में पेश की जा रही है, वह वास्तव में मतदाताओं की गोपनीयता और सुरक्षा से जुड़ी चिंताओं, जनप्रतिनिधित्व अधिनियम 1950 और 1951 में निर्धारित कानूनी प्रावधानों तथा उच्चतम न्यायालय के निर्देशों के पूरी तरह विपरीत है। अधिकारियों का कहना कि फुटेज साझा करने से किसी भी समूह या व्यक्ति द्वारा मतदाताओं की आसानी से पहचान की जा सकेगी, जिससे मतदान करने वाले मतदाता और मतदान नहीं करने वाले मतदाता दोनों ही असामाजिक तत्वों के दबाव, भेदभाव और धमकी के जद में आ सकते हैं।

माता परमेश्वरी देवी जी की अंतिम यात्रा में छलके भावनाओं के आंसू

समाज उत्थान के कार्यों को याद करके हर कोई रहा भावुक

नारनौंद। राज्य के पूर्व वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु की माता परमेश्वरी देवी जी के निधन ने गांव खांडा खेड़ी की हर आंख को नम कर दिया। अंतिम संस्कार के वक्त गांव के हर व्यक्ति की आंखें नम थी और ग्रामीण परमेश्वरी देवी द्वारा किए गए समाज उत्थान के कार्यों को याद करके भावुक हो रहे थे। दिवंगत परमेश्वरी देवी का शनिवार को गमगीन माहौल में खांडा खेड़ी गांव में अंतिम संस्कार किया गया। अंतिम सस्कार के वक्त न केवल उनके परिजन, जानकार मौजूद रहे बल्कि गांव के अलावा विभिन्न क्षेत्रों से आए हजारों लोगों ने मौजूद रहकर उन्हें अंतिम विदाई दी। ग्रामीण व आए हुए लोग सुबह से ही उनके अंतिम दर्शनों का इंतजार कर रहे थे। जैसे ही उनकी अंतिम यात्रा भारत मित्र स्तम्भ पहुंची तो लोगों ने नम आंखों से उन पर पुष्प अर्पित किए। माता परमेश्वरी देवी की अंतिम यात्रा रोहतक से चलकर गांव खांडा खेड़ी पहुंची तो बीच रास्ते में कई स्थानों पर लोगों ने उन्हें नम आंखों से श्रद्धांजलि दी। अंतिम यात्रा के गांव खांडा खेड़ी पहुंचने पर सड़क के दोनों ओर लोगों की लाइन लगी थी और वे हाथों में फूल लिए हुए थे। जहां-जहां से अंतिम यात्रा होकर निकली लोगों ने पुष्प वर्षा कर माता जी को श्रद्धांजलि दी। माता परमेश्वरी देवी के पार्थिव शरीर के दर्शन करने के लिए कई स्थानों पर लोग घरों की छतों पर खड़े थे। भारत मित्र स्तंभ पहुंचने पर माता परमेश्वरी देवी का पार्थिव शरीर को लोगों के लिए अंतिम दर्शन करने के लिए रखा गया। इस दौरान हरियाणा ही नहीं देशभर से आए लोगों ने माता परमेश्वरी देवी को याद करके उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। दुख की इस घड़ी में विशिष्ट लोगों में सिंधु परिवार के सदस्यों को सांत्वना देते हुए ढांढस बंधाया।

माता परमेश्वरी देवी जी की अंतिम यात्रा में कंधा देते कैप्टन रूद्रसेन सिंधु, वीरसेन सिंधु, कैप्टन अभिमन्यु व अन्य।

खांडाखेड़ी भावुक

ग्रामीण बोले, जमीन से जुड़ा रहा परिवार

ग्रामीणों का कहना था कि चौधरी मित्रसेन जी परिवार जमीन से जुड़ा परिवार है। परिवार में शिक्षा व संस्कार कूट कूट कर भरे हुए हैं और यह सब चौधरी मित्रसेन व माता परमेश्वरी देवी की मेहनत, शिक्षा व संस्कारों का परिणाम है कि यह परिवार इतनी तरक्की के बावजूद कभी अपने गांव व क्षेत्र को नहीं भूला। यही नहीं, माता परमेश्वरी देवी हर वर्ष भारत मित्र स्तम्भ में आयोजित कार्यक्रम में क्षेत्र के मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित करके उन्हें उच्च शिक्षा के लिए प्रेरित करती थीं। ग्रामीणों के अनुसार दिवंगत परमेश्वरी देवी लड़कियों की शिक्षा पर विशेष ध्यान देने का आग्रह करते हुए उनके माता-पिता को सदैव कहती थीं कि लड़कियों की शिक्षा कितनी जरूरी है। अब जब परमेश्वरी देवी हमारे बीच नहीं रही है और उनकी यादें व उनके कार्य ही हमारे बीच हैं। ग्रामीणों का कहना है कि दिवंगत परमेश्वरी देवी के निधन से समाजसेवा का एक ऐसा स्थान रिक्त हो गया है, जिसकी पूर्ति संभव नहीं है। ग्रामीण सदैव उनके जनहितैषी कार्यों को याद करते रहेंगे। उन्होंने कहा कि समाज के माता जी के दिखाए रास्ते पर चलकर समाजहित के कामों में योगदान देना चाहिए।

माता परमेश्वरी देवी को कंधा देते योगगुरु बाबा रामदेव, कैप्टन अभिमन्यु।

माता परमेश्वरी देवी की अंतिम विदाई के दौरान मंत्रोच्चारण करतीं डॉ. सुकामा।

माता परमेश्वरी देवी को श्रद्धांजलि देते विस उपाध्यक्ष डॉ. कृष्ण मिड्ढा।

माता परमेश्वरी देवी को श्रद्धांजलि देते कैबिनेट मंत्री कृष्ण बेदी।

माता परमेश्वरी देवी को श्रद्धांजलि देते सांसद धर्मबीर सिंह।

माता परमेश्वरी देवी को नमन करते स्वामी आदित्यवेश।

माता परमेश्वरी देवी को श्रद्धांजलि देते विधायक रामकुमार गौतम।

माता परमेश्वरी देवी को श्रद्धांजलि देते पूर्व मंत्री ओमप्रकाश धनखड़।

माता परमेश्वरी देवी को श्रद्धांजलि देते पूर्व विधायक बलराज कुंडू।

खांडाखेड़ी में माता परमेश्वरी देवी जी के पार्थिव देह पर फूलों की वर्षा

जैसे ही माता परमेश्वरी देवी जी का पार्थिव शरीर गांव खांडाखेड़ी पहुंचा तो फूलों की वर्षा करके उनको श्रद्धांजलि दी गई। हजारों की संख्या में उनके अंतिम दर्शन करने के लोग पहुंचे हुए थे। माता जी की अंतिम यात्रा के दौरान सड़कों पर जाम न लग जाएं इसके लिए पुलिस ने जगह-जगह नाके लगाए हुए थे। माता परमेश्वरी देवी को श्रद्धांजलि देने पहुंचे लोगों की भारी भीड़ को देखते पुलिस को व्यवस्था बनाने में कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। इस मौके पर हर आंख नम थी।

मंत्रोच्चार के बीच मुखाग्नि दी

मुखाग्नि से पहले आर्य समाज के रीति रिवाज पूर्ण करते योगगुरु बाबा रामदेव, कैप्टन अभिमन्यु, मेजर सत्यपाल सिंधु व अन्य।

माता परमेश्वरी देवी जी का निधन पारिवारिक सामाजिक व धार्मिक क्षति : प्रवेश वर्मा

दिल्ली सरकार के मंत्री प्रवेश वर्मा ने शोक व्यक्त करते हुए कहा कि माता परमेश्वरी देवी जी का निधन न केवल हमारे लिए पारिवारिक क्षति है बल्कि हर नागरिक व समाजसेवा कर रही संस्थाओं के लिए भी क्षति है। माता परमेश्वरी देवी व चौ. मित्रसेन आर्य जी ने आर्य समाज को आगे बढ़ाने में जो योगदान दिया है, उसे कभी भुलाया नहीं जा सकता। गुरुकुलों की स्थापना व उनकी सहायता करने में माता जी सदैव अग्रणी रहती थी। निश्चय ही उनका निधन पारिवारिक, सामाजिक व धार्मिक क्षति है।

माता परमेश्वरी देवी जी महान आत्मा थीं, हमें उनके जीवन से सीखना व समझना चाहिए : धर्मबीर सिंह

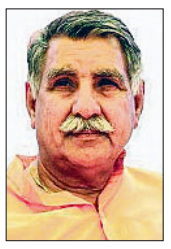

भिवानी के सांसद धर्मबीर सिंह ने अपने शोक संदेश में कहा कि माता परमेश्वरी देवी जी कोई साधारण महिला नहीं थी बल्कि महान आत्मा थी। परिवार को अच्छे संस्कार मां किस तरह देती है और आगे बढ़ाती है, ये हमें माता परमेश्वरी देवी से सीखना व समझना चाहिए। चौधरी मित्रसेन आर्य के निधन के बाद माता परमेश्वरी देवी ने पूरे परिवार को एक सूत्र में मोतियों की तरह पिरोए रखा। उन्होंने आर्य समाज व महिला शिक्षा को आगे बढ़ाने में अहम योगदान दिया।

आर्य समाज की भावपूर्ण पुष्पांजलि

गुरुकुलों को पोषित किया : डॉ. सुकामा

पद्मश्री आचार्या डॉ. सुकामा ने कहा कि चौ. मित्रसेन आर्य के जाने के बाद माता परमेश्वरी देवी ने आर्य परंपरा का संरक्षण किया और गुरुकुलों को पोषित किया। चौधरी साहब की तरह माता परमेश्वरी देवी ने आदिवासी क्षेत्रों में शिक्षा को बढ़ावा देने का काम किया।

आर्य परंपरा को आगे बढ़ाया : स्वामी प्रणवानंद

स्वामी प्रणवानंद ने माता परमेश्वरी देवी को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि माता परमेश्वरी देवी के कार्यों को आगे बढ़ाना ही उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि होगी। चौधरी साहब के जाने के बाद आर्य परंपरा को आगे बढ़ाने में माता परमेश्वरी देवी का बड़ा योगदान है, जिसे भुलाया नहीं जा सकता।

समाज की मजबूत स्तंभ थीं : स्वामी आर्यवेश

सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा नई दिल्ली के अध्यक्ष स्वामी आर्यवेश ने माता परमेश्वरी देवी को याद करते हुए कहा कि वे आर्य समाज की मजबूत स्तंभ थी। सरल स्वभाव व सादगी की मूरत थी। सिंधु परिवार की हानि तो है ही बल्कि आर्य समाज के लिए बहुत बड़ी क्षति है।

इन दिग्गजों ने भी दी श्रद्धांजलि

सर्व समाज के लिए अपूरणीय क्षति : मिड्ढा

हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर एवं जींद के विधायक कृष्ण मिड्ढा ने शोक व्यक्त करते हुए कहा कि कैप्टन अभिमन्यु की माता जी का जाना समाज के लिए अपूरणीय क्षति है। उन्होंने संस्कारों से समर्थ एक ऐसा परिवार तैयार किया जो आज राष्ट्र सेवा में समर्पित है।

माता जी ममता की प्रतिमूर्ति थीं : बेदी

प्रदेश के सामाजिक न्याय एवं आधिकारिता मंत्री कृष्ण बेदी ने कहा कि एक मां के रूप में उन्होंने जो संस्कार व अनुशासन दिए वहीं आज कैप्टन अभिमन्यु की सोच और सेवा में दिखाई देता है। उनका जीवन प्रेरणादायक रहा है, हम उनके चरणों में श्रद्धा सुमन अर्पित करके उन्हें श्रद्धांजलि देते है।

स्मृति सदैव जीवित रहेंगी : धनखड़

भाजपा के राष्ट्रीय सचिव एवं पूर्व प्रदेश अध्यक्ष ओमप्रकाश धनखड़ ने कहा कि माता परमेश्वरी देवी आध्यात्मिक और ऊंच व्यक्तित्व वाली महिला थी। उनका जाना सिर्फ एक परिवार की नहीं समाज की भी क्षति है। उनकी स्मृति सदैव हमारे दिलों में जीवित रहेगी।

माता परमेश्वरी देवी जी को श्रद्धांजलि अर्पित करने पहुंचे योग गुरु स्वामी रामदेव हुए भावुक

माता जी के सूक्ष्म आशीर्वाद व आशीर्वचन सदैव साथ रहेंगे : स्वामी रामदेव

एक माह पहले ही माता जी से मिला था, उनमें उसी तरह हौसला व उत्साह था

हिसार। वैदिक पद की पथिक स्व. चौधरी मित्रसेन आर्य की धर्मपत्नी परमेश्वरी देवी जी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए योग गुरु स्वामी रामदेव ने कहा कि वे उन्हें अपने बेटा समझकर प्यार करती थी। माता जी ने अपने बेटों को न केवल अच्छी पढ़ाई करवाई बल्कि अच्छे संस्कार भी दिए जो आज के समय में बहुत जरूरी है। भले ही माता जी आज भौतिक रूप से हमारे साथ न रही हो, लेकिन उनके सूक्ष्म आशीर्वाद व आशीर्वचन सदैव हमारे साथ रहेंगे। उन्होंने याद ताजा करते हुए बताया कि मैं एक माह पहले ही माता जी से मिला था, उनमें उसी तरह हौसला व उत्साह था। इतना कहते कहते स्वामी रामदेव भावुक हो गए और बोले कि केवल खांडाखेड़ी गांव या प्रशंसक ही नहीं बल्कि जिसको पता लगा है, वो उन्हें याद करते हुए श्रद्धांजलि देने आया है। उन्होंने कहा कि मां का होना ही परमात्मा का बहुत बड़ा आशीर्वाद है, वे कामना करते हैं कि भगवान दिवंगत आत्मा को अपने चरणों में स्थान दें। उनके जाने से केवल उनके परिवार को तो दुख पहुंचा ही है, वे खुद 25 से 30 गुरुकुलों का संचालन कर रही थी, उनके आचार्य व उनमें पढ़ रहे बच्चे भी उनके जाने से दुखी हैं।

शास्त्रों में लिखी बातों को माता जी ने अपने जीवन में लागू किया : आचार्य बालकृष्ण

हिसार। पंतजलि हरिद्वार से आचार्य बालकृष्ण ने माता परमेश्वरी देवी को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि सनातन परंपरा में शास्त्रों में लिखी बातों को माता परमेश्वरी देवी अपने जीवन में लागू करती थीं। खुद साक्षर नहीं होते हुए भी उन्होंने अपने सभी बेटे-बेटियों को काबिल बनाया। आर्य समाज तथा शिक्षा को बढ़ावा देने की अलख जो चौधरी मित्रसेन आर्य जगाकर गए थे, उसे बुझने नहीं दिया। सिंधु परिवार की मदद से हजारों बच्चे आदिवासी क्षेत्रों समेत देश के कई पिछड़े इलाकों में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। माता परमेश्वरी देवी ने कन्या शिक्षा पर विशेष फोकस रखा। भारत ही नहीं पूरे विश्व में इस परिवार की ख्याति है। समाज के लिए सिंधु परिवार एक आदर्श परिवार है। माता परमेश्वरी देवी ने अपने बच्चों में अच्छे संस्कार दिए और पूरे परिवार को जोड़कर रखा। स्व. चौधरी मित्रसेन आर्य जीरो से उठाकर बहुत बड़ी ऊंचाइयों तक पहुंचे। उन्होंने अपने परिवार तक सीमित न रहे कर समाज को आगे बढ़ाया। हमें इस परिवार से सीख लेने की जरूरत है।

खबर संक्षेप

चार सप्ताह में एक्शन टेकन रिपोर्ट मांगी

चंडीगढ़। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने हरियाणा के आरोही मॉडल स्कूलों में कार्यरत शिक्षकों की वर्षों पुरानी नियमितीकरण की मांग पर संज्ञान लेते हुए राज्य सरकार को नोटिस जारी किया है। आयोग ने शिक्षा निदेशालय, हरियाणा को चार सप्ताह में एक्शन टेकन रिपोर्ट (एटीआर) भेजने के निर्देश दिए हैं। यह कार्रवाई आरोही मॉडल स्कूल स्टाफ एसोसिएशन, हरियाणा के प्रदेशाध्यक्ष मनोज कुमार की 3 दिसंबर 2024 को दायर शिकायत के आधार पर की गई, जिसमें कहा गया था कि 2011 में स्थापित इन स्कूलों में वित्त विभाग द्वारा 2,232 पद स्वीकृत किए गए थे।

प्रेमी जोड़े ने जहर निगल की आत्महत्या

कुरुक्षेत्र। एक प्रेमी जोड़े ने जहरीला पदार्थ निगलकर आत्महत्या कर ली। दोनों के शव सुंदरपुर पुल के नीचे रेलवे ट्रैक के पास मिले। शव मिलने की सूचना राहगीरों ने जीआरपी पुलिस को दी। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम हेतु एलएनजेपी अस्पताल भिजवाया। मृतकों की पहचान सिरसा के गांव ढुकड़ा के रहने वाले 32 वर्षीय सुभाष और फतेहाबाद के गांव ईशरढाणी की रहने वाली 29 वर्षीय तारावती के रूप में हुई है। तारावती सुभाष के साले की पत्नी है। वह उसे ससुराल से भगाकर ले गया था। रेलवे पुलिस के अधिकारी ने बताया है कि दोनों कई दिन पहले घर से भाग गए थे।

बैंक कर्मी ने एक करोड़ 96 लाख खाते से उडाए

कैथल। शहर की मुख्य ब्रांच एसबीआई से कर्मी की ओर से एक मेल आने के बाद चार उपभोक्ताओं के एक करोड़ 96 लख रुपये खाते से काटने का मामला सामने आया है। यह मामला सामने आने के बाद मौके पर सभी उपभोक्ता पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। सूचना पर डायल 112 के कर्मी पहुंचे और मामले पर जानकारी ली। इस मामले तितरम गांव निवासी जगरूप फौजी के खाते से 26 लाख रुपये, बालू निवासी रिटायर्ड पटवारी सुभाष चंद्र के खाते से 79 लाख 23 हजार रुपये व डॉक्टर अनिल कुमार मित्तल लगभग 64 लाख 32 हजार रुपये और नरेन्द्र वासी भैणी माजरा जिसके खाते में लगभग 23 लाख रुपये काट लिए। जब बैंक में पहुंचे तो उन्हें जानकारी मिली कि केरल की निजी कंपनी कलूर के खाते में भेजी गई है।

सीएम ने कुरुक्षेत्र में पीएम गति शक्ति कार्गो टर्मिनल का किया उद्घाटन

हरियाणा लॉजिस्टिक्स और सप्लाई चेन के क्षेत्र में नई शक्ति बनकर उभरेगा: नायब

सीएम बोले-किसानों, उद्यमियों और व्यापारियों की बढ़ेगी समृद्धि और युवाओं को रोजगार के नए अवसर मिलेंगे।

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ चंडीगढ़

प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा लॉजिस्टिक्स और सप्लाई चेन के क्षेत्र में एक नई शक्ति बनकर उभरेगा। धीरपुर (कुरुक्षेत्र) का अंतर्देशीय कंटेनर डिपो (आईसीडी) विकसित भारत-विकसित हरियाणा के निर्माण में मील का पत्थर साबित होगा। इससे प्रदेश के किसानों, उद्यमियों व व्यापारियों की समृद्धि बढ़ेगी और हमारे युवाओं को रोजगार के नए अवसर मिलेंगे।मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी शनिवार को इनलैंड कंटेनर डिपो धीरपुर के पीएम गति शक्ति कार्गो टर्मिनल के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे।

इससे पहले मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का विधिवत रूप से शुभारंभ किया। नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा में दुबई के सर्राफ ग्रुप का निवेश राज्य की आर्थिक नीतियों और यहां के व्यापार-अनुकूल माहौल के गहरे विश्वास को दर्शाता है, जो भारत और संयुक्त अरब अमीरात के बीच मजबूत होते आर्थिक संबंधों का भी प्रतीक है। यह केवल एक आधुनिक लॉजिस्टिक सुविधा का लोकार्पण नहीं है, बल्कि यह हरियाणा के सामर्थ्य, किसानों, व्यापारियों व उद्यमियों की समृद्धि और युवाओं के भविष्य को सशक्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

कोई भी राष्ट्र अपने अतीत की नींव पर ही अपने भविष्य का निर्माण करता है। कुरुक्षेत्र की पहचान हमेशा से बड़े और साहसिक फैसलों के लिए रही है।

कुरुक्षेत्र। सीएम नायब सैनी ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

मनोहर लाल ने दुबई यात्रा के दौरान सहमति दी थी

सैनी ने कहा कि केंद्रीय मंत्री व पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने अपनी दुबई यात्रा के दौरान इंज ऑफ डूइंग बिजनेस का उदाहरण प्रस्तुत करते हुए इस परियोजना को सहमति दी थी। ये आईसीडी परियोजना हरियाणा में लॉजिस्टिक व आर्थिक क्षेत्र की हमारी सरल नीतियों और गो-ग्लोबल अप्रोच पर मुहर है।

वेयरहाउसिंग और कोल्ड स्टोरेज तक की आधुनिक सुविधाएं अब एक ही जगह पर

सीएम ने कहा कि एक समय था, जब इस तरह की आधुनिक सुविधाएं केवल दिल्ली-मुंबई जैसे बड़े महानगरों तक ही सीमित थी। अब यहां भी कस्टम क्लीयरेंस से लेकर वेयरहाउसिंग और कोल्ड स्टोरेज तक की आधुनिक सुविधाएं एक ही जगह पर मिलेंगी। इससे ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को और बढ़ावा मिलेगा तथा हरियाणा में निवेश के अवसर पैदा होंगे। ऐसी ही परियोजनाओं के बलबूते हरियाणा लॉजिस्टिक इंडेक्स में देश में दूसरे स्थान पर है। यही नहीं, प्रदेश ने लगातार तीन वर्षों-2022, 2023 और 2024 के लिए लीड्स सर्वेक्षण में लैंड-लॉक्ड राज्यों में अग्रणी श्रेणी को बरकरार रखा है।

वैश्विक व्यापार का प्रवेश द्वार बनेगा आईसीडी

सैनी ने कहा कि कुरुक्षेत्र में यह डिपो हरियाणा के लिए 'गेटवे टू ग्लोबल ट्रेड' यानी वैश्विक व्यापार का प्रवेश द्वार बनने जा रहा है। अब तक हरियाणा के किसान, छोटे-बड़े उद्यमी व व्यापारी, जब अपने उत्पाद को बंदरगाहों तक भेजते थे, तो उन्हें कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता था। समय भी ज्यादा लगता था और लागत भी बढ़ती थी। इस डिपो से न केवल लॉजिस्टिक्स की लागत में 20 से 30 प्रतिशत तक की कमी आएगी, बल्कि समय की भी भारी बचत होगी। जब सामान समय पर पहुंचने लगेगा तो अंतरराष्ट्रीय बाजार में हमारे उत्पादों की साख और मांग, दोनों बढ़ेंगी। लॉजिस्टिक्स, ट्रांसपोर्टेशन, पैकेजिंग, मैनेजमेंट और इससे जुड़ी अन्य सेवाओं में युवाओं को रोजगार भी मिलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि कहा कि यह डिपो पीएम गति शक्ति नेशनल मास्टर प्लान' का एक उत्कृष्ट उदाहरण है। प्रधानमंत्री गति शक्ति का विजन यही है कि देश में इंफ्रास्ट्रक्चर का विकास एकीकृत और समग्र दृष्टिकोण के साथ हो। यह सुविधा न केवल हरियाणा, बल्कि पंजाब, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड जैसे पड़ोसी राज्यों के लिए भी एक महत्वपूर्ण लॉजिस्टिक्स गेटवे के रूप में काम करेगी। इससे पूरे उत्तर भारत की अर्थव्यवस्था को बल मिलेगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की ईज ऑफ डूइंग बिजनेस नीति ने व्यापार की तस्वीर बदली है। हमने विनियामक बोझ को कम करने के लिए 1,100 से अधिक जटिल अनुपालनों को सरल किया है। यह प्रगतिशील घरेलू नीति सीधे तौर पर हरियाणा के गो-ग्लोबल के महत्वाकांक्षी दृष्टिकोण को साकार करती है। हम लैंड पूलिंग को और अधिक प्रभावी करने के लिए लैंड पूलिंग नीति में संशोधन कर रहे हैं। इससे 10 नए मेगा-स्केल एकीकृत मॉडल टाउनशिप के विकास की सुविधा मिलेगी।

- **पीएम गति शक्ति नेशनल मास्टर प्लान का एक उत्कृष्ट उदाहरण**

फरीदाबाद। एजेएनआईएफएम में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस समारोह में योग करती हुईं केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण व अन्य साधक।

फरीदाबाद में सीतारमण ने किया योगाभ्यास

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

- **योग दिवस शक्तिशाली वैश्विक स्वास्थ्य आंदोलन के रूप में हुआ विकसित: केंद्रीय वित्त मंत्री**

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2025 को "एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग" थीम के साथ मनाया जा रहा है। मानव और संपूर्ण विश्व के स्वास्थ्य के परस्पर संबंध को रेखांकित और सामूहिक कल्याण की वैश्विक दृष्टि को प्रतिध्वनित करती है, जो भारत के "सर्वे संतु निरामया" (सभी रोग मुक्त हों) के दर्शन में निहित है।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2025 के अवसर पर अरुण जेटली राष्ट्रीय वित्तीय प्रबंधन संस्थान (एजेएनआईएफएम) फरीदाबाद में मुख्यअतिथि के रूप में शिरकत की। उन्होंने कहा कि वर्ष 2015 में इसकी शुरुआत के बाद से ही, जब संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मनाने के भारत के प्रस्ताव को अपनाया, तब से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी निरंतर नई दिल्ली, चंडीगढ़, लखनऊ, मैसूर, न्यूयॉर्क (संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय) और श्रीनगर सहित विभिन्न स्थानों से समारोहों का नेतृत्व करते रहे हैं।

सीआईएसएफ यूनिट ने मनाया योग दिवस

चंडीगढ़। "एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग थीम" पर आधारित 11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर आज सीआईएसएफ यूनिट पंजाब और हरियाणा सिविल सचिवालय चंडीगढ़ द्वारा चंडीगढ़ के बोगन विला पार्क में एक भव्य योग सत्र का आयोजन किया गया। योग क्रियाएं करके जवानों ने स्वास्थ्य लाभ लिया। इस मौके पर यूनिट कमांडर श्री ललित पंवार ने कहा कि योग करने से शरीर स्वस्थ और मन शांत रहता है। इसलिए योग को अपनी दिनचर्या में शामिल करना चाहिए। योग कार्यक्रम में सभी रैंकों और यूनिट के सदस्यों ने भाग लिया।

भाजपा ने फायरिंग और हत्याओं को बना दिया लोगों की दिनचर्या का हिस्सा: हुड्डा

चंडीगढ़ । पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा है कि बीजेपी सरकार ने कानून व्यवस्था को सात तालों के भीतर बंद करके चाबी बदमाशों के हाथों में पकड़ा दी है। प्रदेश में अपराध इस कद्र बेकाबू है कि फायरिंग और हत्याएं अब लोगों की दिनचर्या का हिस्सा बन गई हैं। जींद के खरकरामजी गांव में हुई कारोबारी की हत्या ने एक बार फिर स्पष्ट कर दिया है कि हरियाणा में भाजपा 'राज' नहीं बल्कि गुंडा 'राज' चल रहा है। भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि इन दोनों बीजेपी सरकार सोशल मीडिया पर कार्टून पोस्ट करके वही बातें बोल रही है, जो हमने कांग्रेस कार्यकाल के दौरान कही थी। कांग्रेस सरकार के दौरान बदमाशों को स्पष्ट चेतावनी दे दी गई थी कि या तो बदमाशी छोड़ दो या फिर हरियाणा छोड़ दो। हमने सिर्फ ये बात कही ही नहीं थी, बल्कि इसे लागू भी करके दिखाया था। कांग्रेस सरकार ने प्रदेश से गैंगस्टर, माफिया और बदमाशों का पूरी तरह सफाया कर दिया था। लेकिन बीजेपी सरकार कार्टून बनाकर कोरी डायलॉगबाजी कर रही है। अगर उसे नकल ही करनी है तो कांग्रेस की नीति की नकल करनी चाहिए और प्रदेश से कांग्रेस सरकार की तरह अपराध का सफाया करना चाहिए। लेकिन कानून व्यवस्था व लोगों की सुरक्षा कभी भी बीजेपी की प्राथमिकता रही ही नहीं। जिस बीजेपी को जनता ने सुरक्षा की जिम्मेदारी सौंपी है, वह के अहंकार में मदमस्त होकर इवेंजबाजी में लगी हुई है। सरकार खुद प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष तौर पर अपराध को संरक्षण दे रही है। इसीलिए कभी रोहतक

स्वास्थ्य सेवाएं बदहाल, सरकार जिम्मेदारी से भाग रही : सैलजा

चंडीगढ़। सांसद सैलजा ने कहा कि हरियाणा में स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति दिन-ब-दिन बदतर होती जा रही है। फार्मासिस्टों की भारी कमी के चलते प्रदेश के अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्रों का संचालन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। यह प्रदेशवासियों के जीवन और स्वास्थ्य के साथ सीधा खिलवाड़ है। फार्मेसिस्ति सिस्टों की कमी से दवा वितरण, खरीद और स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित हो रही है। फार्मासिस्टों की जगह पर सरकार बहुउद्देशीय स्वास्थ्य कर्मियों से काम ले रही है। सांसद सैलजा ने कहा कि हरियाणा सरकार स्वास्थ्य ढांचे को सुदृढ़ करने के अपने दावों में पूरी तरह विफल रही है। प्रदेश में 36 प्रतिशत फार्मासिस्टों के पद लंबे समय से खाली पड़े हैं, और बीते चार वर्षों से एक भी नियुक्ति नहीं हुई है। इससे न केवल दवाओं के वितरण में बाधा उत्पन्न हो रही है, बल्कि लाखों मरीजों को बिना दवा के लौटना पड़ रहा है। कुमारी सैलजा ने कहा कि स्वास्थ्य मंत्री द्वारा विधानसभा में भर्तियों का आश्वासन देने के बावजूद अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। भर्ती प्रक्रियाएं फाइलों में उलझी हुई हैं और योग्य युवाओं को नौकरी नहीं मिल पा रही है। सीएचसी (सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र) और पीएचसी (प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र) जैसी बुनियादी स्वास्थ्य सेवाओं में फार्मासिस्टों का न होना एक गंभीर लापरवाही है।

केंद्र की ओर से घोषणा जारी हुई अधिसूचना का काम पूरा होने तक नहीं हो सकती घोषणा भी

गठन का इंतजार करने वालों को अभी नहीं मिलेगी सौगात

नए जिलों और उपमंडल गठन पर ब्रेक, जनगणना अधिसूचना जारी

योगेंद्र शर्मा ▶▶ चंडीगढ़

प्रदेश में नए जिलों और उपमंडल गठन का इंतजार करने वालों का इंतजार अब लंबा होने जा रहा है, क्योंकि जनगणना को लेकर केंद्र की ओर से नोटिफिकेशन जारी कर दी गई है। जनगणना की घोषणा के साथ ही अब नए जिलों, उपमंडलों पर पूरी तरह से रोक लग गई है, दूसरा परिसीमन का काम जनगणना के बाद होगा। इस तरह से हरियाणा में भी नए जिलों और उपमंडल के गठन पूरी तरह से ब्रेक लगा दी गई है। सूबे में पांच नए जिले बनाने की सुगबुगाहट चल रही थी, कई राजनेता भी अपने इलाकों को जल्द ही खुशखबरी देने के दावे कर रहे थे। अब जब केंद्र की ओर से जनगणना को लेकर नोटिफिकेशन जारी की गई है, उसके साथ ही साफ हो गया है कि अब नए जिले व उपमंडल पर ब्रेक लग गया है। यहां पर यह भी बता दें कि जनगणना के काम में वक्त लगता है, पहले जहां डिजीटल डाटा एकत्र किया जाएगा, वहीं बाद में उसको देखा जाएगा। एक दशक के बाद हर बार जनगणना होनी चाहिए लेकिन इस बार कोविड के कारण चार से पांच साल देरी हो गई है। हरियाणा सहित पूरे देश के सभी राज्यों में जनगणना का काम शुरु होने से पहले की तैयारी केंद्र का जनगणना विभाग करने में जुटा हुआ है।

जनगणना के बाद होगा परिसीमन का काम

देश के विभिन्न राज्यों में परिसीमन को लेकर भी तैयारी की जा रही है। हरियाणा की बात करें तो यहां लोकसभा की 10 सीटें हैं, जो परिसीमन के बाद में 14 तक संख्या जा सकती हैं। राज्य में 90 विधानसभा की सीटें हैं, इन सीटों की संख्या में 122 से लेकर 126 तक जा सकती हैं। वैसे, हरियाणा विधानसभा के लिए चंडीगढ़ में जमीन की तलाश है, ताकि नई विधानसभा बने और विधायकों के बैठने के लिए पर्याप्त जगह बने।

नए जिलों को बनाने का काम कैबिनेट सब कमेटी के पास

सरकार ने नए जिलों को बनाने का काम कैबिनेट सब कमेटी को दिया है। कमेटी ने इसे लेकर 15 जून, 2025 को बैठक बुलाई थी। कमेटी की ओर से प्रक्रिया जारी रखी जा रही है, साथ ही जिलों के निर्माण की अंतिम रिपोर्ट तैयार कर सरकार को भेजी जाएगी। प्रदेश में अभी 22 जिले हैं। हिसार का हांसी, सिरसा जिले में डबवाली, करनाल में असंध, जींद में सफीदों, गुरुग्राम जिले में मानेसर के अलावा सोनीपत में गोहाना को नया जिला बनाने की मांग की जा रही है। गोहाना, असंध, डबवाली और हांसी को जिला बनाने की मांग विधानसभा में उठ चुकी है। गुरुग्राम के मानेसर को भी जिला बनाने की मांग की जा रही है। केंद्र ने जनगणना करवाने की घोषणा की है, जिसका मतलब साफ है कि जनगणना की प्रक्रिया के बीच किसी भी नए जिले, उपमंडल का गठन और पुनर्गठन नहीं होगा।

सब कमेटी ने की 5 बैठकें: सरकार की ओर से गठित कैबिनेट सब कमेटी का कार्यकाल 30 जून को पूरा होने जा रहा है। नए जिले बनाने को लेकर सब-कमेटी की अभी तक 5 बैठकें हो चुकी हैं। हालांकि कमेटी का कार्यकाल हर बार बढ़ा दिया जाता है। सब कमेटी की बैठकों में नए जिलों के संबंध में आई मांग की स्टडी के लिए संबंधित प्रशासन को निर्देश दिए जा चुके हैं।

मंत्री पंवार की अध्यक्षता में कवायद: हरियाणा के विकास एवं पंचायत मंत्री कृष्ण लाल पंवार की अध्यक्षता में सब कमेटी की बैठक में चार मुख्य फैसले हुए जिसमें कई जिलों में गांव को सबतहसील और तहसील बनाने का काम हुआ है। बताया गया है कि कमेटी के पास में कुल 69 प्रस्ताव प्राप्त हुए थे लेकिन इनमें से कुछ ही पर सहमति बनी है।

डिजिटल अरेस्ट कर 55.30 लाख ठगी मामले में 3 आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कैथल

डिजिटल अरेस्ट कर 55.30 लाख रुपए ठगी मामले में थाना साइबर क्राइम पुलिस द्वारा 3 आरोपियों को काबू कर लिया गया। कैथल निवासी इलेक्ट्रीशियन का काम करने वाले रमेश कुमार की शिकायत अनुसार 29 मई को दोपहर करीब 12:45 बजे उसके मोबाइल पर व्हाट्सएप मैसेज आया, जिसमें "क्राइम ब्रांच मुंबई" लिखा था। इसके तुरंत बाद उसी नंबर से वीडियो कॉल आई। कॉल करने वाले ने खुद को मुंबई क्राइम ब्रांच का अधिकारी बताया और कहा कि रमेश कुमार के नाम पर जारी मोबाइल नंबर का धोखाधड़ी में इस्तेमाल हुआ है। उसने इनकार किया, तो आरोपी ने आधार कार्ड मांगा। खुद को सही साबित करने के लिए आधार की फोटो भेज दी। आरोपी ने कहा कि बैंक खातों का प्रयोग मनी लॉन्ड्रिंग में हुआ है और इस पर उन्हें 20 लाख कमीशन लेने का आरोप है। आरोपी ने केस की कॉपी व सुप्रीम कोर्ट के दस्तावेज भेजे। आरोपी ने जवाब दिया कि कोर्ट में जाकर आपको रिहा करने की बात करेंगे। 31 मई को उससे 23 लाख खाते में जमा करवा लिए। आरोपियों ने लगातार वीडियो कॉल व ऑडियो कॉल पर रखा और उससे 55 लाख 30 हजार हड़प लिए। बाद में उसे धोखाधड़ी का पता चला। टीम ने आरोपी जहांगीरपुर जिला गौतम नगर निवासी हिमांशु शर्मा तथा रवि व गांव ईखु जिला मथुरा यूपी निवासी राहुल कुमार को काबू कर लिया गया।

कैथल। ठगी केस में तीनो आरोपी पुलिस गिरफ्त में

सूबे में ग्रुप-डी की भर्ती जल्द विभागाध्यक्षों से मांगा ब्योरा

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ चंडीगढ़

हरियाणा सरकार ने ग्रुप डी के खाली पदों पर भर्ती की कवायद शुरू कर दी है। मानव संसाधन विकास ने सभी विभागाध्यक्ष को पत्र लिख ग्रुप डी के पदों की जिला व पदवार रिक्तियों की जानकारी अपडेट करने के निर्देश दिए हैं, ताकि पता चला सके कि किस विभाग में कितने पद खाली हैं। विभागों को इस काम को प्राथमिकता से करने के निर्देश जारी हुए हैं।

- **मुख्य सचिव ने जारी किया लेटर**

7500 पदों पर होगी भर्ती

विभागाध्यक्षों को जारी पत्र के मुताबिक खाली पदों की जानकारी एचकेसीएल के पोर्टल पर अपडेट करनी है। इससे बचे हुए चयनित उम्मीदवारों को जल्द से जल्द नियुक्त किया जा सके। दरअसल सरकार की यह कवायद ग्रुप डी के 7500 पदों को भरने को लेकर है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ग्रुप डी के 7500 पदों को भरने की घोषणा कर चुके हैं।

जुलाई माह के अंत में होगा सीईटी एग्जाम

इन पदों में से वंचित अनुसूचित जाति (डीएससी) और अन्य अनुसूचित जाति (ओएससी) वर्ग के लिए कुल 1,209 पद आरक्षित किए गए हैं।

इनमें 605 पद वंचित अनुसूचित जाति और 604 पद अन्य अनुसूचित जाति वर्ग के लिए निर्धारित किए गए हैं। कर्मचारी चयन आयोग सीईटी के बाद इन पदों को भरने की कवायद शुरू करेगी। आयोग का मुख्य फोकस अभी ग्रुप सी के सीईटी पर है। सीईटी जुलाई के आखिरी सप्ताह में होने की संभावना है।

फर्जी दाखिले से करोड़ों का गबन,14 स्कूलों का रिकॉर्ड ले गई सीबीआई

- **2014 से लेकर 2016 तक के दो शैक्षणिक सत्रों में की गई थी गड़बड़, प्रदेश भर के स्कूलों की चल रही है जांच**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत

प्रदेश भर के राजकीय विद्यालयों में दो साल में फर्जी दाखिले, ग्रांट और मिड डे मील गबन की जांच सोनीपत पहुंच गई है। शनिवार को जांच कर रही सीबीआई की एक टीम सोनीपत पहुंची, जिसे सोनीपत शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने 14 विद्यालयों का रिकॉर्ड सौंपा है। मामला 2014 से 2016 तक के दो शैक्षणिक सत्रों में गड़बड़ का है। जिसमें प्रदेश भर में तकरीबन 4 लाख विद्यार्थियों का फर्जी दाखिला दिखा कर ग्रांट और मिड डे मील की राशि में गबन किया गया था। सीबीआई को दिए गए रिकॉर्ड में जिला के 14 राजकीय विद्यालयों का दोनों शैक्षणिक सत्र के दौरान के दाखिला, नामांकन संख्या, ग्रांट रजिस्टर, विद्यार्थियों के लिए आने वाली वर्दी, स्टेशनरी, मिड-डे-मील ग्रांट व स्कॉलरशिप पर करोड़ों रुपये की ग्रांट खर्च की गई थी, सभी की जानकारी है। बता दें कि वर्ष 2014 में ऑनलाइन पोर्टल पर विद्यालयों के दर्ज रिकॉर्ड का मिलान नहीं हुआ था। ऐसे में वर्ष 2016 में प्रदेशभर के राजकीय विद्यालयों में 4 लाख फर्जी दाखिलों का मामला उजागर हुआ था। पहले मामले की जांच पुलिस कर रही थी। इसके बाद वर्ष 2019 में पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय ने मामले की जांच सीबीआई को सौंपी थी।

मामला वर्ष 2014 से 2016 तक

सीबीआई की ओर से मांगे गए 14 राजकीय विद्यालयों का दाखिला व ग्रांट संबंधी रिकॉर्ड सौंप दिया है। मामला वर्ष 2014 से 2016 तक के दो वर्षीय शैक्षणिक सत्र का राजकीय विद्यालयों के दाखिला व ग्रांट से संबंधित है। विद्यालय शिक्षा निदेशालय के निर्देश पर जिला शिक्षा विभाग की ओर से सीबीआई को रिकॉर्ड सुपुर्द किया गया है।

-मंजू गर्ग, उप जिला शिक्षा अधिकारी, सोनीपत

इन राजकीय विद्यालयों का सौंपा रिकॉर्ड

- राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, बेगा, गन्नौर।
- राजकीय प्राथमिक पाठशाला, मंडी, गन्नौर।
- राजकीय प्राथमिक पाठशाला, गढ़ी सराय नामदार खां, गोहाना।
- राजकीय प्राथमिक पाठशाला, सरगथल, गोहाना।
- राजकीय प्राथमिक पाठशाला, गढ़वाल, कथूरा।
- राजकीय प्राथमिक पाठशाला, कथूरा।
- राजकीय कन्या प्राथमिक विद्यालय, खरखौदा।
- राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, खरखौदा।
- राजकीय प्राथमिक पाठशाला, छतेहरा, मुंडलाना।
- राजकीय प्राथमिक पाठशाला, चिड़ाना, गोहाना।
- राजकीय प्राथमिक पाठशाला, अकबरपुर बारोटा, राई।
- राजकीय प्राथमिक पाठशाला, कुंडली, राई।
- राजकीय प्राथमिक पाठशाला, मंडी, सोनीपत।
- राजकीय प्राथमिक पाठशाला, मॉडल टाउन-3, सोनीपत।

ईंधन की कमी के चलते एहतियातन बेंगलुरु में की लैंडिंग

इंडिगो की फ्लाइट ने दी 'मेडे' कॉल

विमान यात्रा के बुरे दिन : नौ दिनों में एयर इंडिया की 84 उड़ानें रद्द

बेंगलुरु। इंडिगो की एक फ्लाइट ने गुरुवार 19 जून को अपनी उड़ान के बीच 'मेडे' कॉल दिया था। इसके बाद विमान की बेंगलुरु में एहतियातन लैंडिंग कराई गई थी। सूत्रों के मुताबिक इंडिगो की फ्लाइट 6ई6764 ने असम के गुवाहाटी से चेन्नई के लिए उड़ान भरी थी, लेकिन बीच रास्ते में ही विमान में ईंधन की कमी के कारण पायलट ने बेंगलुरु एयर ट्रैफिक कंट्रोल को 'मेडे' कॉल दिया। इंडिगो के सूत्रों के मिली जानकारी के मुताबिक, फ्लाइट को कंजेशन की वजह से लैंड करने का क्लियरेंस नहीं पर मिला था। इसके बाद पायलट ने बेंगलुरु एटीसी को 'लो फ्यूल मेडे कॉल' दी। पायलट ने एटीसी से कहा था कि फ्लाइट में फ्यूल कम है, इसलिए आप हमें प्राइरोरिटी के आधार पर हमें लैंड करने की परमिशन दें। इसके बाद इंडिगो की फ्लाइट ने एहतियातन रात 8.20 बजे बेंगलुरु एयरपोर्ट पर सेफ लैंडिंग की। गुवाहाटी से चेन्नई जाने वाली इंडिगो की इस फ्लाइट में कुल 168 यात्री और क्रू सदस्य सवार थे। विमान के मेडे कॉल के बाद बेंगलुरु एयरपोर्ट पर विमान के लैंडिंग की तुरंत तैयारी की गई। विमान की लैंडिंग के दौरान मेडिकल और फायर सर्विसेज की टीमों को भी रवाना किया।

तकनीकी खराबी के लिए वापस मुड़ा इंडिगो का एक अन्य विमान : शुक्रवार को एक चेन्नई से मुदरै जाने वाली एक इंडिगो की फ्लाइट बीच हवा में तकनीकी खराबी के कारण वापस चेन्नई की ओर मुड़ गई थी। फ्लाइट में कुल 68 यात्री और क्रू सदस्य सवार थे। जैसे ही फ्लाइट में तकनीकी खराबी का पता चला, वैसे ही तुरंत यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए पायलट ने विमान को वापस चेन्नई की ओर मोड़ लिया और सेफ लैंडिंग की।

अहमदाबाद विमान दुर्घटना : डीएनए जांच से 247 शवों की पहचान, 232 सौंपे गए

अहमदाबाद विमान हादसे में जान गंवाने वाले 247 लोगों के शवों की पहचान डीएनए जांच के जरिए कर ली गई है और 232 शव उनके परिजनों को सौंप दिये गए हैं। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने आठ मृतकों के परिजनों से डीएनए जांच के लिए अन्य सगे-संबंधियों का नमूना देने को कहा है, क्योंकि पूर्व में लिये गए नमूनों के मिलान में अवशेषों की पहचान नहीं हो सकी।
इस बीच, पुलिस ने बताया कि डीएनए नमूनों के मिलान से इस बात की पुष्टि हुई कि अहमदाबाद के रहने वाले फिल्म निर्माता महेश जीरावाला की इस हादसे में मृत्यु हो गई।

अप्रैल-जून में प्रत्यक्ष कर संग्रह घटकर 4.59 लाख करोड़ रहा

नई दिल्ली (भाषा)। चालू वित्त वर्ष (2025-26) में अब तक शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह सालाना आधार पर 1.39 प्रतिशत घटकर 4.59 लाख करोड़ रुपये रहा। सरकार द्वारा शनिवार को जारी आंकड़ों में यह जानकारी दी गई। कर संग्रह में गिरावट और ज्यादा रिफंड के कारण अग्रिम कर संग्रह नरम रहा। आंकड़ों के अनुसार, एक अप्रैल से 19 जून, 2025 के दौरान अग्रिम कर संग्रह मात्र 3.87 प्रतिशत बढ़कर 1.56 लाख करोड़ रुपये रहा। पिछले साल में तुलनात्मक अवधि में, अग्रिम कर संग्रह में 27 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर्ज की गई थी।
कॉरपोरेट्स द्वारा चुकाया गया अग्रिम कर 5.86 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 1.22 लाख करोड़ रुपये हो गया, जबकि व्यक्तियों, एचयूएफ और फर्मों सहित गैर-कॉरपोरेट द्वारा चुकाया गया कर 2.68 प्रतिशत की गिरावट के साथ 33,928 करोड़ रुपये रह गया। अग्रिम कर का भुगतान चार किस्तों - जून, सितंबर, दिसंबर और मार्च में में किया जाता है। चालू वित्त वर्ष में 19 जून तक रिफंड जारी करने की राशि 58 प्रतिशत बढ़कर 86,385 करोड़ रुपये हो गई। चालू वित्त वर्ष में अब तक सकल प्रत्यक्ष कर संग्रह 5.45 लाख करोड़ रुपये रहा, जो एक साल पहले की समान अवधि से 4.86 प्रतिशत अधिक है।कुल मिलाकर, शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह एक अप्रैल से 19 जून, 2025 के दौरान लगभग 4.59 लाख करोड़ रुपये रहा, जो 2024 में इसी अवधि में एकत्र किए गए 4.65 लाख करोड़ रुपये से 1.39 प्रतिशत कम है।

बुलडोजर न्याय के खिलाफ बोले सीजेआई

दायरे में रहें, जज, जूरी जल्लाद नहीं बन सकते

'भारतीय संविधान के 75 वर्षों पर दिया संबोधन

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सीजेआई बीआर गवई ने हाल ही में एक आदेश का जिक्र करते हुए कहा कि सरकारें कभी भी न्यायपालिका की जगह नहीं ले सकतीं। इस सप्ताह की शुरुआत में भारत में सरकारी प्राधिकारियों द्वारा निजी संपत्तियों के प्रतिशोधात्मक विध्वंस के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर प्रकाश डालते हुए सीजेआई ने कहा कि कार्यपालिका ,न्यायाधीश , जूरी और जल्लाद नहीं बन सकती। न्यायमूर्ति गवई, जिन्होंने पिछले साल फैसला सुनाने वाली पीठ का नेतृत्व किया था, 18 जून को मिलान अपीलीय न्यायालय में देश में सामाजिक-आर्थिक न्याय प्रदान करने में संविधान की भूमिकाः भारतीय संविधान के 75 वर्षों पर विचार विषय पर बोल रहे थे। सीजेआई गवई ने कहा कि पिछले 75 वर्षों में भारत द्वारा हासिल किए गए सामाजिक-आर्थिक न्याय ने भारतीय संविधान के आलोचकों को गलत साबित कर दिया है।

कार्यपालिका की जिम्मेदारी बताई

बार एंड बेंच की रिपोर्ट के अनुसार चीफ जस्टिस ने कहा कि हाल ही में, कोर्ट ने संरचनाओं के विध्वंस के मामले में निर्देशों के संबंध में न्यायालय ने राज्य अधिकारियों द्वारा अभियुक्तों के घरों और संपत्तियों को ध्वस्त करने के निर्णयों की जांच की, जो कि उन्हें न्यायालय द्वारा दोषी ठहराए जाने से पहले ही दंड के रूप में दिए गए थे। यहां, न्यायालय ने माना कि इस तरह के मनमाने विध्वंस, जो कानूनी प्रक्रियाओं को दरकिनार करते हैं, कानून के शासन और अनुच्छेद 21 के तहत आश्रय के मौलिक अधिकार का उल्लंघन करते हैं। कार्यपालिका एक साथ न्यायाधीश, जूरी और जल्लाद नहीं बन सकती।

खबर संक्षेप

कलकत्ता विवि के छात्रावास की छत गिरी

कोलकाता। कलकत्ता विश्वविद्यालय के महिला छात्रावास के एक कमरे की छत शनिवार

तड़के गिर गई। इसमें कोई हताहत नहीं हुआ। करीब 150 वर्ष पुराने इस छात्रावास में छात्राएं रहती हैं। रजिस्ट्रार देबाशीष दास ने बताया कि छत का एक हिस्सा कमरे में छात्राओं के बिस्तर पर गिर गया।

प्रतिबंधित संगठनों के 4 उग्रवादी गिरफ्तार

इंफाल। सुरक्षा बलों ने मणिपुर में विभिन्न प्रतिबंधित संगठनों से जुड़े 4 उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है। एनएससीएन के एक कैडर को जिरीबाम जिले के कमरांगा गांव से गिरफ्तार किया। यह उग्रवादी राष्ट्रीय राजमार्ग 37 पर फिरौती के लिए अपहरण और जबरन वसूली की गतिविधियों में शामिल था।

सूचना

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्पले/क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

आईटी सेल और महाकाल थाना पुलिस की कार्रवाई

उज्जैन में स्टे के नाम पर महाकाल के भक्तों से ठगी

7 वेबसाइट कर रहीं थीं फ्रॉड, एसपी मैदान में उतरे तो हुआ बड़ा एक्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ उज्जैन

विश्व प्रसिद्ध महाकाल मंदिर दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं के साथ ठगी के लगातार कई मामले सामने आ रहे हैं। कभी श्रद्धालु ठहरने के नाम पर होटल की फर्जी वेबसाइट से ठगा रहे हैं तो कभी भस्म आरती के नाम पर।

ऐसे में बढ़ती ठगी को ध्यान में रखते हुए एसपी प्रदीप शर्मा ने खुद मोर्चा संभाला और जांच शुरू की। जांच में पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। यहां श्रद्धालुओं से होटल के नाम पर ठगी करने वाली 7 वेबसाइट को चिन्हित कर उनको बंद करवा दिया गया है। आईटी सेल और महाकाल थाना पुलिस ने संयुक्त रूप से इस कार्रवाई को अंजाम दिया है। सीएसपी कोतवाली राहुल देशमुख और महाकाल थाना प्रभारी गगन बादल को इस संबंध में शिकायतें प्राप्त हो रही थी। ठग श्रद्धालुओं से एडवांस बुकिंग के नाम पर ऑनलाइन भुगतान लेकर उन्हें नकली बुकिंग देते थे। पुलिस अधीक्षक शर्मा के मार्गदर्शन में कोतवाली सीएसपी, महाकाल थाना पुलिस और उज्जैन आईटी सेल की संयुक्त टीम ने तत्परता से तकनीकी जानकारी जुटाकर इन वेबसाइटों की होस्टिंग, डोमेन रजिस्ट्रेशन और ब्राउजर गतिविधियों पर निगरानी रखी।

दिल्ली का क्लासरूम घोटाला

2000 करोड़ के घोटाले के दायरे में 'बड़ी मछलियां'

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली में 2015 से 2019 के बीच कथित क्लासरूम निर्माण घोटाले को लेकर एसीबी और ईडी की जांच जारी है। मामले में ताजा मोड़ ईडी की छापेमारी के बाद आया है। ईडी ने दावा किया है कि उसने 37 जगहों पर जो तलाशी ली। सामने आया कि तत्कालीन आप सरकार ने न सिर्फ जरूरत से 3 गुना ज्यादा क्लासरूम्स का निर्माण कराया, बल्कि लागत भी अप्रत्याशित रही। 2,405 कक्षाओं की प्रारंभिक आवश्यकता के बावजूद मनमाने ढंग से 7,180 समकक्ष कक्षाओं तक बढ़ा दिया गया। बिना मंजूरी इसे 12,748 कमरों तक बढ़ा दिया। इससे परियोजना की लागत में भारी वृद्धि हुई। इस प्रोजेक्ट के लिए 989.26 करोड़ रुपए दिए गए थे। टेंडर वैल्यू 860.63 करोड़ रुपए थी। लेकिन प्रोजेक्ट में कथित तौर पर 2 हजार करोड़ रुपए खर्च किए जाने के आरोप हैं।

आयुष्मान मित्रों को साथ सरकार कर रही सौतेला व्यवहार : डॉ व्यास

चंडीगढ़। यूनाइटेड डॉक्टर्स फ्रंट (यूडीएफ) लगातार आयुष्मान मित्रों की आवाज़ उठा रहा है। इनकी मुख्य मांग थी कि आयुष्मान मित्र जो कि हरियाणा में 5000/- में कार्यरत हैं, उनके वेतन को बढ़ाया जाए या एचकेआरएन पोर्टल में शामिल किया जाए। यूडीएफ हरियाणा के प्रदेशाध्यक्ष डॉ. अमित व्यास ने बताया कि 30 जनवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लिखा जा चुका है। 05 मार्च को स्वास्थ्य मंत्री कुमारी आरती सिंह राव से चंडीगढ़ सचिवालय में मुलाकता की गई। 25 अप्रैल को आयुष्मान मुख्य अधिकारी संगीता तेतरवाल से भी पंचकूला में मुलाकात की, लेकिन अभी तक समस्या का कोई समाधान नहीं निकला। सरकार आयुष्मान मित्रों के साथ सौतेला व्यवहार कर रही है। डॉ व्यास ने बताया कि प्रधानमंत्री जन आरोग्य (आयुष्मान भारत) योजना को सुचारू रूप से चला रहे आयुष्मान मित्र वर्ष 2018 से इस योजना में कार्यरत हैं। इनका चयन ठेकेदारी प्रथा के तहत हुआ था। वहीं, ठेकेदारी प्रथा जिसको वर्ष 2022 को खत्म करके हरियाणा कौशल रोजगार निगम लिमिटेड (एचकेआरएनएल) पोर्टल लाया गया। ठेकेदारी प्रथा के सभी कर्मचारी कौशल निगम में पोर्ट कर दिए गए, लेकिन आयुष्मान मित्रों को संबंधित अधिकारियों ने एक लेटर जारी कर पार्ट टाइम घोषित कर दिया।

बड़ौदा आरसेटी कानपुर नगर में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर आयोजित हुआ योग शिविर

नई दिल्ली। शनिवार को बड़ौदा आरसेटी कानपुर नगर में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर संस्थान के समस्त प्रशिक्षुओं एवं स्टॉफ के लिए योग शिविर का आयोजन किया गया जिसमे सभी प्रतिभागियों को योग से होने वाले लाभ के बारे बताया गया कि हमें अपने प्रतिदिन कि दिनचर्या में योग को अवश्य शामिल करना चाहिए ताकि हम लोग अनेक बीमारियों से बच सके । इस अवसर पर निदेशक आरसेटी श्री शिवांगी जायसवाल जी ने सभी को योग करने के लिए प्रेरित किया तथा बताया कि योग के द्वारा हम लोग किस प्रकार से निरोगी बन सकते है इसके अतिरिक्त निर्देशिका जी ने सभी प्रतिभागियों को योग के अनेक आसन करवाए एवं उनके लाभ भी बताये । इस अवसर पर संस्थान के संकाय रीना यादव जी, विशाल कमल जी , कार्यालय सहायक रश्मि यादव जी, अभिषेक यादव जी, एवं समस्त प्रशिक्षार्थी उपस्थित रहे।

पिछले साल गिग भर्तियों में 92 प्रतिशत वृद्धिः रिपोर्ट

मुंबई (भाषा)। पिछले साल गिग नौकरियों (ऑनलाइन मंच के लिए अस्थायी नौकरी) या फ्रीलांस (काम के आधार पर) अवसरों में सालाना आधार पर 92 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। भर्ती मंच वर्कइंडिया की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि यह ई-कॉमर्स, खानपान की आपूर्ति करने वाले (फूड डिलीवरी) और राइड-हेलिंग मंचों के तेजी से विस्तार से प्रेरित मजबूत, मांग आधारित श्रम पर बढ़ती निर्भरता को दर्शाता है। वर्कइंडिया के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) और सह-संस्थापक नीलेश डूंगरवाल ने पीटीआई-भाषा को बताया, "हम जो देख रहे हैं, वह महत्वाकांक्षा का मंचीकरण है। त्वरित वाणिज्य जैसी कंपनियों ने न केवल मांग पैदा की है, बल्कि उन्होंने इस क्षेत्र को आय के एक विश्वसनीय स्रोत के रूप में मान्यता दी है। कई उम्मीदवारों के लिए, विशेष रूप से छोटे शहरों में, डिलीवरी जॉब अब अस्थायी भूमिका नहीं रह गई है, बल्कि वे व्यवहार्य करियर विकल्प हैं।" वर्कइंडिया की रिपोर्ट 2023 और 2024 में मंच पर 4.81 लाख नौकरियों की सूचना के आंकड़ों के विश्लेषण पर आधारित है। भौगोलिक स्थानों में, रिपोर्ट में पाया गया कि दिल्ली, अहमदाबाद और कोलकाता जैसे शहर गंतव्य पर लॉजिस्टिक्स नौकरियों के लिए प्रमुख केंद्र के रूप में उभरे हैं।

उत्तराखंड पर्यटन विकास परिषद ने उत्तराखंड के वाइब्रेंट गांवों में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन किया

उत्तराखंड। शनिवार को मनाए जा रहे अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर उत्तराखंड पर्यटन विकास परिषद (**UTDB**) ने भारत सरकार की वाइब्रेंट विलेजेज़ योजना के अंतर्गत चिह्नित सीमावर्ती गांवों — जैसे माणा, मलारी, जाडुंग, नीलांग, हर्षिल, दुग्तु, नबिधांग आदि — जो उत्तरकाशी, चमोली और पिथौरागढ़ जिलों में स्थित हैं, में विशेष योग दिवस कार्यक्रमों का आयोजन किया। यह पहल ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देने, स्वास्थ्य जागरूकता फैलाने और इन दूरस्थ क्षेत्रों में सांस्कृतिक चेतना को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय निवासी, युवा, स्कूली बच्चे तथा भारतीय सेना के जवानों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। अनुभवी योग प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में प्रतिभागियों ने विभिन्न योगासन, प्राणायाम एवं ध्यान तकनीकों का अभ्यास किया। कार्यक्रम का उद्देश्य केवल ग्रामीण और सीमावर्ती क्षेत्रों में योग और स्वस्थ जीवनशैली के महत्व को उजागर करना नहीं था, बल्कि इसे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की वाइब्रेंट विलेजेज़ पहल के तहत सीमावर्ती गांवों को सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के दृष्टिकोण से जोड़ना भी था। इस अवसर पर पर्यटन सचिव एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी, उत्तराखंड पर्यटन विकास परिषद ने कहा कि उत्तराखंड का शांत और प्राकृतिक वातावरण योग अभ्यास के लिए आदर्श है। उन्होंने यह भी बताया कि इन वाइब्रेंट गांवों को योग पर्यटन और स्थानीय विकास के केंद्रों के रूप में विकसित करने के प्रयास किए जा रहे हैं, जिससे अधिक पर्यटकों को आकर्षित किया जा सके और स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के अवसर सृजित हो सकें।

क्यूएस वर्ल्ड रैंकिंग में गलगोटियाज यूनिवर्सिटी की फिर बड़ी छलांग

नई दिल्ली। हाल में जारी क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग-2026 में गलगोटियाज विश्वविद्यालय ने बड़ी उपलब्धि हासिल की है। ताजा रैंकिंग के अनुसार, भारत के टॉप निजी विश्वविद्यालयों में इसे 15वां स्थान और सभी भारतीय विश्वविद्यालयों (सरकारी और निजी मिलाकर) में 43वां गौरवपूर्ण उच्च स्थान प्रदान किया गया है। आगे की ओर मजबूती से कदम बढ़ाने वाली गलगोटियाज यूनिवर्सिटी को क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग-2026 के 1201-1400 ग्लोबल बैंड में शामिल किया गया है। इस बारे में गलगोटियाज यूनिवर्सिटी के सीईओ ध्रुव गलगोटिया ने कहा, यह उपलब्धि इनोवेशन, एक्टिव लर्निंग और विश्व स्तरीय शैक्षणिक गुणवत्ता की दिशा में हमारे सफर को रेखांकित करती है। ग्लोबल रैंकिंग में लगातार उच्च स्थान बना रही गलगोटियाज यूनिवर्सिटी की इस उपलब्धि पर हर्ष प्रकट करते हुए चांसलर सुनील गलगोटिया कहते हैं, यह महत्वपूर्ण उपलब्धि उत्कृष्ट उच्च शिक्षा, शोध व नवाचार के प्रति हमारी प्रतिबद्धता और दुनिया में हो रहे बदलावों के साथ सीखने के अवसर उपलब्ध कराने के प्रति हमारे समर्पण को दर्शाती है।

पीएनबी ने मनाया वैश्विक एकता और पर्यावरणीय कल्याण पर केंद्रित 11वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र में देश के अग्रणी बैंकों में से एक पंजाब नैशनल बैंक (पीएनबी) ने -- एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग की थीम पर 11वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया। विभिन्न अंचलों, सर्किलों और पीएनबी मुख्यालय में पीएनबी परिवार एकजुट हुआ एवं पर्यावरण-अनुकूल वातावरण में आयोजित संवादपरक योग सत्रों में भाग लिया । इन सत्रों में तनाव प्रबंधन, रिलैक्सेशन तकनीकों, और श्वास अभ्यास पर जोर देते हुए समग्र स्वास्थ्य के लिए बैंक की प्रतिबद्धता को सुदृढ़ किया। योग सत्र में पीएनबी एमडी एवं सीईओ श्री अशोक चंद्र, कार्यपालक निदेशक गण श्री कल्याण कुमार, श्री विभु प्रसाद महापात्र व श्री डी सुरेंद्रन के साथ ही सभी अंचलों के मुख्य महाप्रबंधको, महाप्रबंधको व स्टाफ के अन्य सदस्यों ने भाग लिया। इसके अतिरिक्त, इस दिन की भावना को बनाए रखते हुए, सभी क्षेत्रीय कार्यालयों और मंडल कार्यालयों ने आयुष मंत्रालय के आधिकारिक पोर्टल के माध्यम से योग संगम 2025 के लिए पंजीकरण कराया। पीएनबी ने इस वर्ष की थीम -- एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग -- के अनुरूप व्यक्तिगत कल्याण और पर्यावरण संरक्षण के बीच गहरे संबंध पर जोर दिया। इस कार्यक्रम ने रेखांकित किया कि कैसे योग अभ्यास व्यक्तिगत शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देता है साथ ही इस धरती के प्रति हमारी साझा जिम्मेदारी के प्रति जागरूकता पैदा करता है। 11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस समारोह में स्टाफ सदस्यों को संबोधित करते हुए, पीएनबी, एमडी एवं सीईओ श्री अशोक चंद्र ने कहाः " भारत की सबसे प्राचीन और प्रतिष्ठित प्रथाओं में से एक योग, ने संयुक्त राष्ट्र के अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के माध्यम से सफलतापूर्वक वैश्विक पहचान हासिल की है, जिसे हर साल इसी दिन मनाया जाता है।

अरुणाचल में 210 किलो गांजा जब्त, 3 गिरफ्तार

ईटानगर। अरुणाचल प्रदेश के पूर्व

कामेंग जिले में पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई के तहत 210 किलोग्राम से अधिक गांजा जब्त किया है और तस्करी में शामिल 3लोगों को गिरफ्तार किया है। पूर्व कामेंग के एसपी कामदाम सिकॉम ने बताया कि यह अभियान 15 जून को शुरू हुआ, जब पासांग डोका को 5.01 किलो गांजा के साथ गिरफ्तार किया।

कारण बताओ नोटिस

सुचित किया है कि आर्मी न0 -10316743 एच सिपाही (जीडी) आशीष, सुपुत्र बलबीर सिंह, ग्राम व डाकघर-भैंसवाल कला-थाना-गोहाना, तहसील गोहाना, जिला सोनीपत (हरियाणा) पिन - 131409 जोकि 124 पैदल वाहिनी (प्रादेशिक सेना) सिख का जवान है। आप दिनांक 16 मई 2023 से डिसम्बाडीमेंट पर है। बटालियन द्वारा प्रशिक्षण वर्ष 2023-24 एवं 2024-25 में आपको वार्षिक प्रशिक्षण शिविर में उपस्थित होने के आदेश दिए थे परंतु न तो आप उपस्थित हुए और न ही आपने युनिट को सूचित किया। अतः आप कारण स्पष्ट करें कि क्यों आप लगातार दो वर्षों तक अनुपस्थित रहे और क्यों न आपको प्रादेशिक सेना की धारा 14 बी0 (iii) के अंतर्गत प्रादेशिक सेना से सेवा मुक्त कर दिया जाए। आपका जवाब इस नोटिस के जारी होने की तिथी से 30 दिनों के अन्दर मिल जाना चाहिए अन्यथा आपको प्रादेशिक सेना से सेवा मुक्त कर दिया जाएगा। यह नोटिस कमांडर प्रादेशिक सेना मुख्यालय उत्तरी कमान की ओर से प्रकाशित किया जा रहा है ।

प्रवीण कुमार गिरी
लेफ्टिनेंट कर्नल; दण्डपाल
6743/सी एफ/ए 20जून 2025 124 पैदल वाहिनी (प्रा0 से0) सिख

राशिफल

मेष — मन अशान्त हो सकता है। नौकरी में अफसरों से सद्भाव बनाकर रखें। तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा।

वृष — पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी। वस्त्र उपहार में मिल सकते हैं। किसी मित्र के सहयोग से आय में वृद्धि हो सकती है।

मिथुन — संयत रहें। व्यर्थ के क्रोध से बचें। परिवार में शान्ति बनाये रखने के प्रयास करें। परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान पर जा सकते हैं।

कर्क — आशा-निराशा के भाव मन में हो सकते हैं। शैक्षिक कार्यों पर ध्यान दें। कठिनाइयां आ सकती हैं। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी।

सिंह — आत्मसंयत रहें। किसी सम्पत्ति से आय के साधन बन सकते हैं। किसी मित्र का सहयोग भी मिल सकता है। नौकरी में स्थान परिवर्तन के योग बन रहे हैं।

कन्या — मन में उतार-चढ़ाव रहेगा। पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। किसी मित्र के सहयोग से नौकरी के अवसर मिल सकता है। भागदौड़ बढ़ सकती है। खर्च बढ़ेंगे।

तुला — आत्मविश्वास तो बहुत रहेगा, परन्तु शान्ति बताये रखने के लिए प्रयास करें। आय में कमी एवं खर्च अधिक की स्थिति हो सकती है।

वृश्चिक — मन अशान्त रहेगा। आत्मविश्वास में कमी रहेगी। धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। स्वास्थ्य का भी ध्यान रखें। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी।

धनु — आशा-निराशा के भाव मन में हो सकते हैं। घर-परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं। परिवार में शान्ति बनाये रखने के प्रयास करें।

मकर — मन प्रसन्न रहेगा, परन्तु संयत रहें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। रहन-सहन अव्यवस्थित हो सकता है। वाहन सुख में वृद्धि हो सकते हैं। तनाव रहेगा।

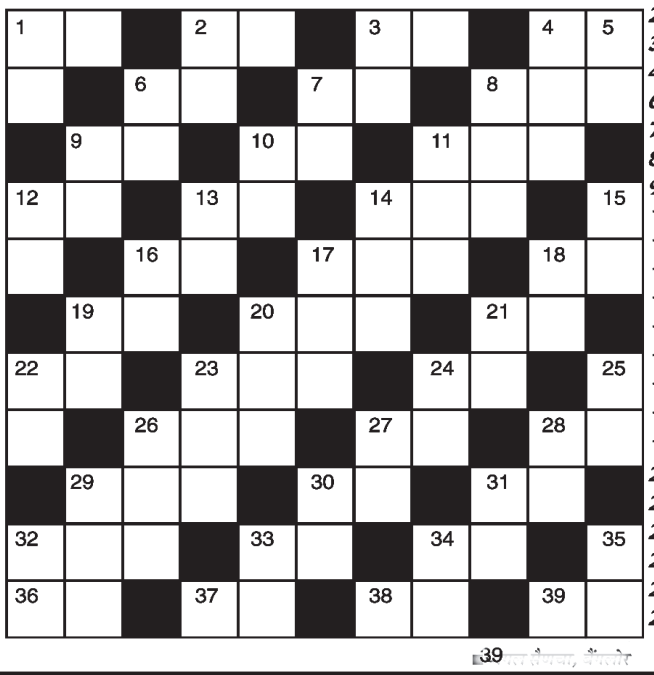

कुंभ — मन शान्त तो रहेगा, परन्तु फिर भी संयत भी रहें। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। नौकरी में कार्यक्षेत्र में परिवर्तन की अधिकता रहेगी।

मीन — मन अशान्त हो सकता है। नौकरी में अफसरों से सद्भाव बनाकर रखें। तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा।

शब्द पहेली - 5905

बाएँसेदाए±
1.कार्य,काम-2
2.अग्नि,अनल-2
3.संग,संगत-2
4.मदिरा,शराब-2
6.चुटीली बात-2
7.उम्मीद-2
8.समाचार,सूचना-3
9.भगवान कृष्ण के खेल-2
10.छाया,परछाई-2
11.कहासुनी-3
12.जी,चित-2
13.निशा-2
14.पासों का खेल-3
16.करीना की फिल्म-2
17.आगे वाला-3
18.सीधा,सरल-2
19.वीर,बहादुर-2
20.दलदल,गाद-3
21.तांत,टेलीग्राम -2
22.वंश,खानदान-2
23.नशा,नशापानी-3
24.चिट्ठी,पत्र-2
26.सही का विलोम-3
27.ठिकाना-2
28.प्राण,दम-2
29.नरक (उर्दू-3)
30.बीता हुआ दिन-2
31.पोखर,तालाब-2
32.हताहत-3
33.दर,मूल्य-2
34.आयु-2
36.अंधकार-2
37.पांव,पैर-2
38.कान्हा-2
39.टैक्स,हाथ-2

ऊपर से नीचे
1.समय,वक्त-2
2.आगमन-2
3.पति की मां-2
4.भोर,सवेरा-3
5.झगड़ा-2
6.लॉक,द्वारयंत्र-2
7.धाय,नर्स,दाई-2
8.अवरोध,रुकावट-3
9.मगन,मग्न-2
10.सप्त,सप्तम-2
11.लक्ष्मी,रमा-3
12.मौज,मजा-2
13.महाराजा-2
14.घिसन,रगस-3
15.गमन,जाना-2
16.पुनः,वापस-2
17.स्थिर-3
18.निष्कर्ष-2
19.कांटा-2
20.मूल्य,दाम-3
21.पितामह-2
22.मजदूर-2
23.ईश्वर-3
24.भूल,गलती-2
25.मछली-2
26.नगमा-3
27.क्षण-2
28.पाश-2
29.दूसरा-3
30.थोड़ा-2
31.तांबा-2
32.हमला-2
33.कलंक-2
34.गरम-2
35.मयूर-2

शब्द पहेली -5904 का हल

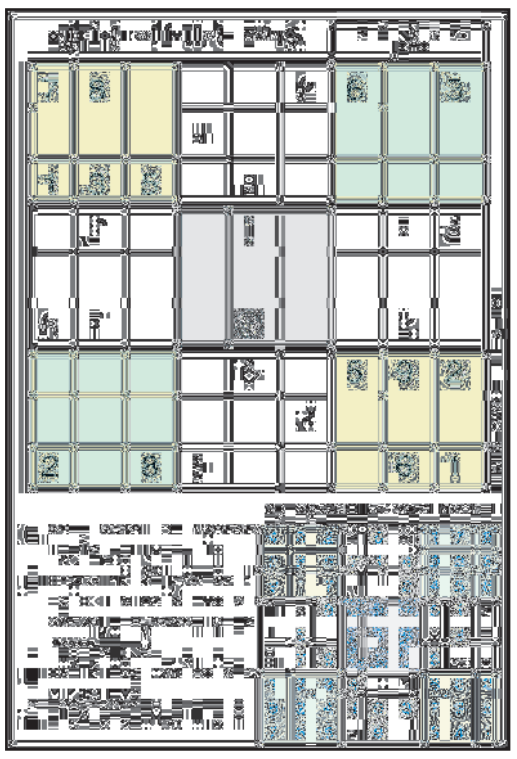

देश-दुनिया में 'एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य' की थीम पर किए गए आसन, 191 देशों में मना योग दिवस

जमीन से आसमान तक लोगों ने किया योग, देश में एक लाख से ज्यादा जगहों पर हुए कार्यक्रम

नई दिल्ली (एजेंसी)। दुनियाभर में शनिवार को 11वां योग दिवस मनाया गया। इंडियन काउंसिल फॉर कल्चरल रिलेशन्स के मुताबिक, 191 देशों में 1300 जगहों पर 2 हजार से ज्यादा कार्यक्रम होंगे। इस बार की योग की थीम 'एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग' है। योग दिवस पर देश की तमाम चर्चित जगहों जैसे जम्मू में चिनाब ब्रिज और श्रीनगर में लालचौक पर भी लोगों ने एकसाथ योग किया। पूरे देश में 1 लाख से ज्यादा जगहों पर हुए कार्यक्रमों को सामूहिक रूप से 'योग संगम' नाम दिया गया है। इसमें 2 करोड़ से ज्यादा लोगों के शामिल होने का अनुमान है।

दुनिया तनाव से गुजर रही है, योग से हमें शांति की दिशा मिलती है : प्रधानमंत्री मोदी

विशाखापत्तनम (आंध्र प्रदेश)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि दुनिया किसी न किसी तनाव से गुजर रही है, कितने ही क्षेत्रों में अशांति और अस्थिरता बढ़ रही है और ऐसे में योग से हमें शांति की दिशा मिलती है। प्रधानमंत्री मोदी ने यहां 11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि यह दिन मानवता के लिए उस प्राचीन प्रथा की शुरुआत का प्रतीक है जहां आंतरिक शांति वैश्विक नीति बन गई है। तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार के विशाल योग दिवस समारोह ने रिकॉर्ड बनाया है। राज्य सरकार ने बताया कि इस दौरान 23 नयी उपलब्धियां हासिल की गईं। मोदी ने कहा, "दुर्भाग्य से आज पूरी दुनिया किसी न किसी तनाव से गुजर रही है। कितने ही क्षेत्रों में अशांति और अस्थिरता बढ़ रही है। ऐसे में योग से हमें शांति की दिशा मिलती है। योग एक 'पॉज बटन' है जिसकी मानवता को आवश्यकता है, जिससे कि वे खुलकर सांस ले सकें, जीवन में संतुलन बना सकें तथा पुनः संपूर्ण बन सकें।" प्रधानमंत्री ने कहा, "मेरा दुनिया से अनुरोध है कि आइए, इस योग दिवस को मानवता के लिए योग के दूसरे संस्करण की शुरुआत का प्रतीक बनाएं जहां आंतरिक शांति वैश्विक नीति बन जाए।" मोदी ने कहा कि योग का सीधा-साधा अर्थ होता है "जुड़ना" और ये देखना सुखद है कि कैसे योग ने पूरे विश्व को जोड़ा है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि योग सभी का है और सभी के लिए है। यह सीमाओं, पृष्ठभूमि, उम्र या क्षमता से बंधा नहीं है।

अनुलोम-विलोम

नई दिल्ली। यमुना नदी के बीचो-बीच योग का अभ्यास करते साधक।

रियासी। दुनिया के सबसे ऊंचे रेलवे आर्च ब्रिज चिनाब पुल के पास योग करते लोग।

बीजिंग। चीन में दो घंटे तक योग प्रतियोगिता चली

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र में 1200 लोगों ने योग कार्यक्रम में लिया भाग।

नई दिल्ली। कर्तव्यपथ पर योग करता मासूम और नागपुर में योग करते बच्चे।

नई दिल्ली। संसद भवन में योग करते लोकसभा अध्यक्ष ओम

मथुरा। अभिनेत्री और भाजपा सांसद हेमा मालिनी ने किया योग।

ओडिशा। केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान योग करते हुए।

नई दिल्ली। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने नई दिल्ली में योग किया।

लेह। पैंगोंग त्सो झील के तट पर 14, 200 फीट की ऊंचाई पर योग करते जवान।

Join the Indian Air Force
ATTENTION ENGINEERS!!
DISHA
INDIAN AIR FORCE
133 Engineering Disciplines now valid for Technical Branch through AFCAT

CHECK YOUR ELIGIBILITY NOW

ENTRY	BRANCHES
AFCAT Entry	Flying/ Technical/ Weapon Systems/ Administration/ Logistics/ Accounts/ Education/ Meteorology
NCC Special Entry	Flying (NCC Air Wing 'C' certificate is mandatory)

- Online test only for AFCAT entry
- Aadhaar card is mandatory for online registration
- Registrations open from **02 June 2025** till **01 July 2025**
- For more details, refer to the official notification.
  Visit: **careerairforce.gov.in** and **afcat.cdac.in**

For updates, follow us on DISHA by Indian Air Force careeriniaf CareerinIAF

DISHA Cell, Air Headquarters (Vayu Bhawan), Motilal Nehru Marg, New Delhi - 110106 Tel: 011-23013690 | Toll-free No.: 1800-11-2448 | E-mail: careeriniaf@gmail.com

CBC/10801/13/0005/2526

विश्व में जारी भीषण सैन्य संघर्षों के तनावपूर्ण परिदृश्य में जी-7 शिखर सम्मेलन कनाडा के अल्बर्टा प्रांत के दर्शनीय पर्यटन नगर कनानास्किस में 16 और 17 जून को आयोजित किया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अल्प सूचना पर प्रमुख आमंत्रित नेता के तौर पर इस शिखर सम्मेलन में शामिल हुए। एक समय लगा कि कनाडा से खराब संबंध के चलते भारत को न्योता ही नहीं मिले। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के मध्य शांति स्थापना और सैन्य संघर्षों के समाधान को लेकर तीव्र मतभेद उभर कर सामने आ गए। इसके चलते रूस व यूक्रेन जंग और ईरान व इजरायल युद्ध को खत्म कराने के तरीके को लेकर कोई बात नहीं हो सकी। सम्मेलन के पटल से आर्थिक मुद्दे गायब हो गए और तात्कालिक अंतरराष्ट्रीय सैन्य संघर्षों और सुरक्षा सवालों पर जी-7 केंद्रित हो गया, लेकिन किसी भी बिंदु पर सहमति नहीं बन सकी। जी-7 सम्मेलन के पटल पर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूस और चीन को जी-7 में शामिल करने के लिए एक प्रस्ताव पेश किया, पर सदस्य देशों में सहमति नहीं बन पाई, हालांकि ट्रंप ने भारत को भी शामिल करने का प्रस्ताव नहीं रखा। पीएम मोदी व कनाडाई पीएम कार्नी के बीच वार्ता बड़ी उपलब्धि रही। जी-7 शिखर सम्मेलन व भारत की उपलब्धियों का विश्लेषण करता आजकल का ताजा अंक...

उम्मीद नहीं जगा पाए जी-7 देश

विश्लेषण

प्रभात कुमार रॉय

विदेश मामलों के जानकार

सैन्य संघर्षरत राष्ट्रों के मध्य विवादों पर गहन और गंभीर चर्चा करने और उनका समुचित समाधान खोजने की दृष्टि से 51वें जी 7 शिखर सम्मेलन को तकरीबन एक विफल सम्मेलन करार दिया जाना चाहिए। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित अनेक देशों के प्रमुख अतिथि नेताओं को अल्प सूचना पर जी 7 सम्मेलन में आमंत्रित किया गया जो कि सम्मेलन के आयोजकों के निर्बल आयोजन और अंतरराष्ट्रीय समन्वय के अभाव की तरफ स्पष्ट संकेत प्रदान कर रहा था। जी 7 सम्मेलन में उपस्थित देशों के मध्य उत्पन्न गंभीर असहमति के कारण महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय सैन्य संघर्ष के मुद्दों पर कोई संयुक्त नजरिया पेश नहीं किया जा सका।

विश्व पटल पर भीषण सैन्य संघर्षों के तनावपूर्ण विकट परिदृश्य में जी-7 शिखर सम्मेलन कनाडा के अल्बर्टा प्रांत के दर्शनीय पर्यटन नगर कनानास्किस में 16 और 17 जून को आयोजित किया गया। सैन्य संघर्षरत राष्ट्रों के मध्य विवादों पर गहन और गंभीर चर्चा करने और उनका समुचित समाधान खोजने की दृष्टि से 51वें जी-7 शिखर सम्मेलन को तकरीबन एक विफल सम्मेलन करार दिया जाना चाहिए। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित अनेक देशों के प्रमुख अतिथि नेताओं को अल्प सूचना पर जी-7 सम्मेलन में आमंत्रित किया गया जो कि सम्मेलन के आयोजकों के निर्बल आयोजन और अंतरराष्ट्रीय समन्वय के अभाव की तरफ स्पष्ट संकेत प्रदान कर रहा था। जी-7 सम्मेलन में उपस्थित देशों के मध्य उत्पन्न गंभीर असहमति के कारण महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय सैन्य संघर्ष के मुद्दों पर कोई संयुक्त नजरिया पेश नहीं किया जा सका।

तीव्र मतभेद उभर कर सामने आए

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप और फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के मध्य शांति स्थापना और सैन्य संघर्षों के समाधान को लेकर तीव्र मतभेद उभर कर सामने आ गए। सम्मेलन के पटल से आर्थिक मुद्दे हट गए और तात्कालिक अंतरराष्ट्रीय सैन्य संघर्षों और सुरक्षा सवालों पर जी-7 केंद्रित हो गया। जी-7 के लीडरों ने एक संयुक्त बयान जारी किया, जिसमें इजरायल के आत्मरक्षा अधिकार की पैरवी की गई और ईरान को क्षेत्रीय अस्थिरता का प्रमुख केंद्र बताया गया। यहां तक कि 17 जून सम्मेलन समापन के दिवस यूक्रेन के समर्थन में भी कोई संयुक्त वक्तव्य जारी नहीं किया जा सका। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की और अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के मध्य भी कोई कूटनीतिक मुलाकात मुमकिन नहीं हो सकी, क्योंकि अमेरिकन राष्ट्रपति को ईरान द्वारा इजरायल पर अंजाम दिए गए क्रूज और बैलिस्टिक मिसाइल के भीषण आक्रमणों के कारण जी-7 सम्मेलन को बीच में ही छोड़कर तत्काल वाशिंगटन रवाना होना पड़ा था। जेलेंस्की बड़ी उम्मीद के साथ कनाडा जी-7 सम्मेलन में शिरकत करने आए थे। यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की की यह चाहत पूरी नहीं हुई कि फिर से एक बार यूक्रेन की हिफाजत करने के लिए दुनिया के आर्थिक तौर पर संपन्न और शक्तिशाली राष्ट्र एकजुट हो जाएंगे और रूस द्वारा अंजाम दिए जा रहे भयानक आक्रमणों को रोकने के लिए रूस पर कड़ा दबाव स्थापित करेंगे।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के एकदम बदले हुए रवैये के कारण यह मुमकिन नहीं हो सका कि जी-7 के पटल पर यूक्रेन के पक्ष में रूस के विरुद्ध कोई संयुक्त प्रस्ताव पारित हो पाता। परिणामस्वरूप सम्मेलन के अध्यक्ष द्वारा सारांश में ही कुछ गैर विवादित मुद्दों पर जैसे कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और वैश्विक तकनीकी शासन, क्वांटम कंप्यूटिंग, अंतरराष्ट्रीय मानव तस्करी निरोध, खनिज आपूर्ति, वन संरक्षण आदि मुद्दों पर अपना ध्यान केंद्रित किया। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जिम्मेदार और सकारात्मक कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) की पेशकश की। भारत ने वैश्विक शांति की भी वकालत की।

डोनाल्ड ट्रंप का परिवर्तित दृष्टिकोण

अंतरराष्ट्रीय संबंधों के प्रति राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बुनियादी तौर पर परिवर्तित हुए दृष्टिकोण के कारण वैश्विक व्यापार अत्यंत बाधित हुआ है, क्योंकि अमेरिकी प्रशासन ने राष्ट्रपति ट्रंप के आदेशानुसार बहुत बढ़ा-चढ़ाकर अंतरराष्ट्रीय टैरिफ लागू करने का हुक्म जारी कर दिया। सम्मेलन में इंग्लैंड और अमेरिका के मध्य टैरिफ घटाने के लिए एक व्यापारिक समझौते की भी घोषणा की गई। जी-7 सम्मेलन के पटल पर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा रूस और चीन को जी-7 में शामिल करने के लिए एक प्रस्ताव पेश किया गया। राष्ट्रपति ट्रंप के इस प्रस्ताव पर जी-7 देशों के मध्य कोई सहमति नहीं बन सकी। अतः प्रस्ताव पारित नहीं हो सका। उल्लेखनीय है कि क्रिमिया पर सैन्य शक्ति द्वारा आधिपत्य स्थापित करने के कारण सन् 2014 में रूस को जी-8 से बाकायदा निकाल दिया गया था। तभी से ही सर्वोच्च अर्थ संपन्न औद्योगिक देशों का इस अंतरराष्ट्रीय समूह जी-8 से जी-7 कहा गया है। जी-7 में कनाडा, फ्रांस, इटली, जापान, इंग्लैंड और अमेरिका शामिल हैं। यूरोपीय यूनियन स्थाई तौर पर जी-7 में आमंत्रित सदस्य है। निरंतर छठी बार भारत को भी जी-7 के शिखर सम्मेलन में आमंत्रित किया गया है। भारत के अतिरिक्त ऑस्ट्रेलिया ब्राजील, मेक्सिको, दक्षिण अफ्रीका, दक्षिण कोरिया और यूक्रेन 51वें जी-7 सम्मेलन में आमंत्रित देश रहे। रूस-यूक्रेन युद्ध के प्रश्न पर जी-7 देशों के मध्य सहमति नहीं बन पाई। डोनाल्ड ट्रंप द्वारा रूस- यूक्रेन युद्ध पर एक संयुक्त बयान जारी करने का प्रबल विरोध किया गया।

मोदी-कोर्नी की कूटनीतिक मुलाकात

परिणामस्वरूप कनाडा ने स्वयं जी-7 के अध्यक्ष राष्ट्र के तौर पर संक्षेप में (चेयर समरी) बयान जारी किया, जिसमें रूस-यूक्रेन के मध्य निर्विरोध संघर्ष विराम और नए शांति प्रयासों की अपील जारी की गई है! भारत के लिए जी-7 सम्मेलन की सबसे बड़ी उपलब्धि रही कि भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी के साथ उल्लेखनीय कूटनीतिक मुलाकात हो गई। इसके परिणाम स्वरूप दोनों देशों के मध्य उच्च स्तरीय कूटनीतिक संबंध को पुनर्स्थापित करने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया। कनाडा के पूर्व प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के कार्यकाल में भारत और कनाडा के कूटनीतिक संबंध बेहद तल्ख और बदतर स्थिति में पहुंच गए थे। जस्टिन ट्रूडो द्वारा खालिस्तानी उग्रवादी हरदीप सिंह निज्जर की हलाकत का इल्जाम भारत सरकार पर आयद कर दिया गया। उम्मीद है कि भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कूटनीतिक प्रयास द्वारा फिलहाल कनाडा और भारत के कूटनीतिक संबंध पुनः सामान्य हो जाएंगे। उल्लेखनीय है कि कनाडा में भारतीय मूल के तकरीबन 20 लाख नागरिक रहते हैं। जी-7 सम्मेलन को संबोधित करते हुए नरेंद्र मोदी ने फरमाया कि विश्व को ऊर्जा उत्पादन के तीव्र विकास और संरक्षण की सबसे अधिक आवश्यकता है। नरेंद्र मोदी द्वारा जी-7 शिखर सम्मेलन में अपनी छठवीं उपस्थिति दर्ज कराते हुए अंतरराष्ट्रीय सोलर अलायंस को वैश्विक सहयोग के लिए एक मॉडल के रूप में पेश किया गया। वैश्विक आतंकवाद के प्रश्न पर नरेंद्र मोदी ने अपने स्पष्ट विचार सम्मेलन के समक्ष प्रस्तुत किए और कहा कि वैश्विक आतंकवाद के विरुद्ध एकमत होकर और एकताबद्ध होकर अत्यंत कठोरता के साथ कार्रवाई की जानी चाहिए। वैश्विक आतंकवाद पर दोहरा दृष्टिकोण और मानसिकता अख्तियार करने वालों की उन्होंने कड़ी आलोचना की।

राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा जी-7 सम्मेलन को अचानक छोड़कर चले जाने के कारणवश प्रधानमंत्री मोदी की उनके साथ मुलाकात संभव नहीं हो सकी। अतः नरेंद्र मोदी द्वारा राष्ट्रपति ट्रंप के साथ 35 मिनट तक टेलीफोन द्वारा लंबी बातचीत की गई। राष्ट्रपति ट्रंप चाहते थे कि नरेंद्र मोदी व्हाइट हाउस आकर उनसे मुलाकात करें, किंतु बड़ी कूटनीतिक कुशलता के साथ नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रपति ट्रंप के निमंत्रण को बाकायदा विनम्रतापूर्वक ठुकरा दिया, क्योंकि नरेंद्र मोदी बखूबी जानते थे कि उन्होंने पाकिस्तान के फील्ड मार्शल जनरल असीम मुनीर को शासकीय भोज पर आमंत्रित किया है।

ट्रंप और मोदी में टेलीफोनिक वार्ता

फील्ड मार्शल मुनीर से मुलाकात से तकरीबन कुछ घंटे पहले ही राष्ट्रपति ट्रंप के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की टेलीफोन वार्ता पर क्या बातचीत हुई, इसका संपूर्ण ब्यौरा अभी उपलब्ध नहीं हुआ है। विश्वसनीय सूत्र बताते हैं कि इस टेलीफोनिक बातचीत के दौरान ही राष्ट्रपति ट्रंप ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी व्हाइट हाउस में पधारने का निमंत्रण दिया था। फील्ड मार्शल असिम मुनीर और प्रेसिडेंट ट्रंप के मध्य क्या बातचीत हुई इसकी भी कोई विस्तृत जानकारी उपलब्ध नहीं है। लेकिन राष्ट्रपति ट्रंप के बयानों से इतना अंदाजा तो लगाया ही जा सकता है कि वार्ता के एजेंडे में भारत और पाकिस्तान के मध्य हुआ सैन्य संघर्ष और इजरायल और ईरान के मध्य जारी भीषण संग्राम बातचीत के मुख्य मुद्दे रहे। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रपति ट्रंप और फील्ड मार्शल असिम मुनीर की मुलाकात भारत और पाकिस्तान के मध्य सैन्य संघर्ष के तकरीबन एक महीने बाद हुई। अमेरिकी राष्ट्रपति ने मुलाकात के तत्पश्चात पत्रकारों से कहा कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध रोकने के लिए आभार जताने की खातिर फील्ड मार्शल असिम मुनीर को व्हाइट हाउस में आमंत्रित किया। राष्ट्रपति ट्रंप ने आगे कहा कि भारत और पाकिस्तान दोनों ही देश परमाणु संपन्न देश हैं और दोनों के मध्य परमाणु युद्ध संभव हो सकता था, लेकिन दो समझदार लोगों ने युद्ध रोकने का बाकायदा फैसला लिया। प्रेसिडेंट ट्रंप का निमंत्रण स्वीकार नहीं करके प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने व्हाइट हाउस नहीं जाने का निर्णय इसलिए लिया, क्योंकि नरेंद्र मोदी समझ गए थे कि राष्ट्रपति ट्रंप उनको और फील्ड मार्शल मुनीर को एकसाथ व्हाइट हाउस में बुलाकर समस्त विश्व को यह पैगाम देना चाहते हैं कि उनके ही द्वारा भारत और पाकिस्तान के मध्य युद्ध को रुकवाया गया है और वस्तुतः वो ही विश्व शांति के सबसे बड़े मसीहा और अग्रदूत हैं। फील्ड मार्शल मुनीर से मुलाकात करके भारत को डोनाल्ड ट्रंप कूटनीतिक संदेश दे रहे हैं कि भारत और पाकिस्तान उनके लिए अब बराबर के सहयोगी देश हैं। उन्होंने ना तो भारत को तरजीह प्रदान की है और ना ही पाकिस्तान को। यह वही डोनाल्ड ट्रंप हैं जो कि पाकिस्तान को जिहादी आतंकवादियों को पनाह देने वाला और परवरिश प्रदान करने वाला सबसे खतरनाक मुल्क करार देते थे और कहते थे कि अमेरिकी इमदाद की 90 फीसदी दौलत को पाक हुकूमत द्वारा आतंकवादियों की इमदाद के लिए खर्च किया गया।

राष्ट्रपति ट्रंप ने अपने विगत कार्यकाल में पाकिस्तान की समस्त सैन्य सहायता खत्म कर दी थी। अब वही डोनाल्ड ट्रंप पाकिस्तान को अपना सबसे प्यारा मुल्क करार दे रहे हैं, क्योंकि उनको अब इजरायल और ईरान युद्ध में पाकिस्तान की सबसे अधिक दरकार है। अमेरिका वस्तुतः पाकिस्तान में अपने सैन्य अड्डे स्थापित करके ईरान पर आक्रमण अंजाम देना चाहता है। नरेंद्र मोदी ने डोनाल्ड ट्रंप के निमंत्रण को बाकायदा ठुकरा कर भारत की तरफ से भी अमेरिका को सख्त पैगाम दे दिया है कि अब भारत अकेला ही पाकिस्तान से निपट सकता है। ऐतिहासिक रूप से देखा जाए तो भारत आजादी के बाद विश्व पटल पर किसी भी सैन्य गुट का कदाचित हिस्सा नहीं रहा। आज भी भारत अपनी उसी कूटनीतिक गुटनिरपेक्षता पर कायम है। भारत के पास विलक्षण नैतिक शक्ति विद्यमान है कि वह तृतीय विश्व युद्ध के कगार पर खड़ी दुनिया को संपूर्ण विनाश से बचा सकता है।

बदले माहौल में कूटनीति को धार जरूरी

भारत

सुनील अमर

स्वतंत्र पत्रकार

बीते सप्ताह समूह-7 देशों की वार्षिक बैठक कनाडा में सम्पन्न हुई। भारत यद्यपि इस समूह का सदस्य नहीं है लेकिन वर्ष 2003 से इसे विशेष आमंत्रित देश के तौर पर बुलाया जाता रहा है। परिस्थितियां ऐसी थीं कि इस बार की बैठक में भारत को बुलाया जाना ज्यादा महत्वपूर्ण था और दुनिया के सभी देशों की निगाह इस पर लगी हुई थी। इसमें दो कारण थे- पहला, ऑपरेशन सिन्दूर तथा दूसरा, मेजबान देश कनाडा से भारत के सम्बन्धों में खटास।

एक समय तो ऐसा भी लग रहा था कि भारत को शायद बुलावा ही न मिले। बहरहाल, भारत ने आयोजन में शिरकत की तथा अपनी बातों को, खासकर पाक प्रायोजित आतंकवाद तथा हालिया सीजफायर में किसी तीसरे की मध्यस्थता न होने को प्रमुखता से रखा और बाकी देशों के प्रमुखों से चर्चा भी की। वहीं, दूसरी तरफ, सदस्य देशों के विदेश मंत्रियों द्वारा बयान जारी कर कहा गया कि भारत-पाकिस्तान को आपसी वार्ता शुरू करनी चाहिए। समूह का सदस्य देश न होने के बावजूद अगर भारत को बुलाया जाता है तो यह भारत के एक मजबूत अर्थव्यवस्था, विशाल आबादी, युवा शक्ति और स्थिर लोकतांत्रिक देश होने के कारण है। समूह 20 तथा ब्रिक्स जैसे कई प्रभावशाली संगठनों का भारत सदस्य है।

समूह-9 बनाने का सुझाव

वर्ष 1973 की वैश्विक मन्दी तथा तेल संकट से निपटने के चलते वर्ष 1975 में समूह-6 के नाम से इसका गठन किया गया और उस समय इसमें अमेरिका, ब्रिटेन, जापान, जर्मनी, इटली और फ्रांस जैसी बड़ी अर्थव्यवस्था तथा औद्योगिक प्रगति वाले लोकतांत्रिक देश शामिल थे। इसके अगले वर्ष इसमें कनाडा शामिल हुआ तो यह समूह-7 बन गया। वर्ष 1998 में इसमें रूस के शामिल हो जाने से यह समूह-8 बन गया लेकिन क्रीमिया के मुद्दे पर वर्ष 2014 में रूस की सदस्यता निलम्बित कर दी गयी तो यह फिर से समूह-7 बन गया है। इस बार की बैठक में तो आश्चर्यजनक ढंग से अमेरिकी राष्ट्रपति ने इस समूह में रूस और चीन को भी शामिल करके इसे समूह-9 बनाने का सुझाव दे डाला, लेकिन भारत को भी शामिल करके समूह-10 बनाने की बात नहीं की।

यहां यह जान लेना जरूरी है कि समूह-7 के निर्णय सदस्य देश मानने को बाध्यकारी नहीं होते लेकिन इसके सदस्य देशों की हैसियत के कारण इन फैसलों का दुनिया पर असर पड़ता है। इस समूह का कोई स्थायी सचिवालय भी नहीं है। कनाडा के आन्तरिक विरोधों के बावजूद वहां के नवनिर्वाचित प्रधानमन्त्री ने भारत को समूह-7 में निमंत्रित किया और प्रधानमन्त्री मोदी ने इस अवसर का उपयोग करते हुए वहां एकत्रित विश्व बिरादरी के सामने भारत में पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद की बात रखी। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा बार-बार यह कहने कि उन्होंने भारत-पाक के बीच सीजफायर कराया, को स्पष्ट करते हुए मोदी ने साफ कहा कि भारत-पाक सीजफायर में किसी तीसरे की मध्यस्थता नहीं रही।

दोहरे मानदंडों की निन्दा

प्रधानमंत्री मोदी ने आतंकवाद जैसे वैश्विक खतरे पर दुनिया के कुछ देशों तथा अंतरराष्ट्रीय संगठनों

के दोहरे मानदंडों की भी निन्दा की। ध्यान रहे कि पहलगाम में आतंकी हमले तथा उसके बाद भारत से लड़ाई छेड़ने के बावजूद पश्चिमी देशों के प्रभाव वाली संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने पाकिस्तान को आतंकवाद निरोधक समिति का उप सभापति बना दिया! इतना ही नहीं, बल्कि पाकिस्तान को संयुक्त राष्ट्र की तालिबान पर प्रतिबन्ध लगाने वाली कमेटी का अध्यक्ष भी बना दिया गया। भारत बार-बार कहता रहा कि वैश्विक संस्थाओं द्वारा मिलने वाली सहायता और कर्ज को पाकिस्तान आतंकवाद फैलाने में खर्च करता है लेकिन बावजूद इसके अभी गत दिनों पाकिस्तान को न सिर्फ अन्तरराष्ट्रीय मुद्रा कोष से सात अरब डॉलर बल्कि एशियन डेवलपमेन्ट बैंक से 80 करोड़ डॉलर का कर्ज मिला है।

मोदी यात्रा की प्रमुख उपलब्धि

उधर विश्व बैंक भी 20 अरब डॉलर का कर्ज स्वीकार कर चुका है। समूह-7 की इस बैठक में भारत के हिस्सा लेने से एक बड़ा और दूरगामी लाभ कनाडा से सम्बन्ध सुधार है। लगभग दो साल से भारत और कनाडा के सम्बन्धों में ज्यादा खटास आयी हुई थी लेकिन इस बैठक के दौरान 17 जून को दोनों पक्षों की आपसी बैठक में दोनों देशों में आपसी सम्बन्ध बहाल करने, राजदूतों की नियुक्ति करने, वीजा प्रक्रिया बहाल करने तथा इंटेलीजेन्स सूचनाओं के आदान-प्रदान पर सहमति बनी। भारत और कनाडा के जिस तरह से सम्बन्ध रहे हैं तथा जिस तरह भारी संख्या में भारतीय कनाडा में न सिर्फ रहते हैं बल्कि वहां की राजनीति और सरकार में शामिल हैं, उसे देखते हुए इस वार्ता और सम्बन्ध बहाली को ही प्रधानमन्त्री मोदी की समूह-7 यात्रा की प्रमुख उपलब्धि कहा जा सकता है।

ट्रंप के संबोधन के मायने

ताजा इजरायल-ईरान युद्ध में अमेरिका द्वारा पाकिस्तान को मोहरा बनाना अलग बात है लेकिन पाक सेनाध्यक्ष को जिस (समूह-7 की बैठक के) वक्त अमेरिका ने न्यौता दिया वह टाइमिंग बहुत कुछ कहती है और जिस तरह व्हाइट हाऊस में उनका स्वागत किया गया, जिस तरह उन्होंने ट्रंप को नोबल शांति पुरस्कार देने का शिगूफा छोड़ा और जिस तरह बदले में ट्रंप ने 'आई लव पाकिस्तान' का नारा उछाला, वह अमेरिकी इतिहास में अभूतपूर्व ही है।

ट्रंप ने पाक सेनाध्यक्ष को पाकिस्तान का 'सबसे ताकतवर व्यक्ति' कहकर सम्बोधित किया। इस सम्बोधन के कई अर्थ निकलते हैं। एक लोकतांत्रिक देश में, जहां एक निर्वाचित सरकार कार्य कर रही हो, वहां के किसी राजनेता के बजाय सेनाध्यक्ष को सबसे ताकतवर व्यक्ति बताना तो एक तरह से सेनाध्यक्ष की पीठ ठोक कर उसे उकसाने जैसा है, खासकर पाकिस्तान जैसे देश में जिसका अतीत ही तख्तापलट और सैन्य शासन से भरा पड़ा है। यह ध्यान रखने की बात है कि हमेशा अमेरिका की जी-हजूरी कर कटोरा पसारे रहने वाला पाकिस्तान आजकल चीन की गोद में बैठा हुआ है और इससे अमेरिका सहज नहीं है। पाक सेनाध्यक्ष के इस अभूतपूर्व स्वागत के पीछे जानकार कुछ और कारण भी बता रहे हैं। डोनाल्ड ट्रंप के पुत्र ट्रंप जूनियर के 60 प्रतिशत स्वामित्व वाली 'वर्ल्ड लिबर्टी फायनांशियल जो क्रिप्टो करेन्सी का व्यापार करती है, को दक्षिण एशिया में भी अपना व्यापार शुरू करना है और ट्रंप जूनियर इसका मुख्यालय पाकिस्तान में बनाना चाहते हैं!

ऐसे हालात को देखते हुए निश्चित तौर पर भारत को अपनी कूटनीतिक गतिविधियों को और तेज करने की जरूरत है। हम भारतीयों के लिए सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि प्रधानमंत्री मोदी और कनाडाई प्रधानमंत्री कार्नी ने अलग से मुलाकात की और धीरे-धीरे संबंधों को सामान्य बनाने का निर्णय लिया।

भारत व कनाडा के बीच नई शुरुआत

कूटनीति

डॉ. एन.के. सोमानी

शिक्षाविद् व विदेश मामलों के जानकार

पिछले एक साल से भारत और कनाडा के बीच जो राजनयिक गतिरोध की स्थिति बनी हुई थी, संभवतः अब वह जल्द ही इतिहास की वस्तु हो जाएगी। संभावना की बड़ी वजह यह है कि दोनों देशों के बीच उच्चायुक्तों की नियुक्ति और व्यापार वार्ता फिर से शुरू करने पर सहमति बन गई है। यह सहमति भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कनाडा यात्रा के दौरान बनी। दरअसल, पिछले दिनों भारत के प्रधानमंची नरेंद्र मोदी दुनिया की सबसे बड़ी लोकतांत्रिक अर्थव्यवस्था वाले जी-7 देशों की 51वीं शिखर बैठक में हिस्सा लेने के लिए कनाडा गए। जी-7 की बैठक से इतर उनकी प्रधानमंत्री मार्क कार्नी से द्विपक्षीय वार्ता हुई।

वार्ता के दौरान बनी सहमति

वार्ता के दौरान दोनों देश उच्चायुक्तों को नियुक्त करने और व्यापार प्रक्रिया को दोबारा शुरू करने पर सहमत हुए। इसके अलावा दोनों देश खाद्य सुरक्षा, डिजिटल ट्रांजिशन, टेक्नोलॉजी, क्रिटिकल मिनरल्स और कानून प्रवर्तन एजेंसियों के बीच पारदर्शी सहयोग के लिए भी राजी हुए हैं। भारत जी-7 का सदस्य नहीं है। उसे विशेष आमंत्रित सदस्य के रूप आमंत्रित किया गया। आरंभ में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को आमंत्रित किए जाने को लेकर कनाडा में असमंजस की स्थिति रही। लेकिन कैनेडियन प्रधानमंत्री मार्क कार्नी के भारत से संबंधों को बहाल करने और घरेलू राजनीति को अंतराष्ट्रीय कूटनीति से अलग करने के प्रयासों के कारण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जी-7 बैठक का न्यौता भेजा जा सका। वर्तमान में कनाडा की राजनीतिक स्थिति और संसद के भीतर जो दलीय स्थिति है, उसे देखते हुए यह कहना गलत नहीं होगा कि कार्नी के लिए निर्णय आसान नहीं था। लेकिन कार्नी भी इस अवसर को खोना नहीं चाहते थे। परिणाम स्वरूप दोनों नेताओं के बीच द्विपक्षीय वार्ता संभव हो सकी। पिछले साल अक्टूबर में भारत-कनाडा संबंध उस वक्त इतिहास के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गए थे जब पूर्व प्रधानमंत्री जस्टीन ट्रूडो ने हाउस ऑफ कॉमन्स के भीतर सिख अलगाववादी नेता हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारत की कथित संलिप्तता की बात कही। ट्रूडो के इस कथित आरोप के बाद भारत-कनाडा संबंधों में तल्खी इस हद तक बढ़ गई थी कि दोनों देश कूटनीतिक आक्रामकता पर उतर आए। बात राजनयिकों से देश छोड़ने व नागरिकों के लिए एडवाइजरी जारी करने भर तक नहीं रुकी। भारत ने तो कैनेडियन नागरिकों की वीजा प्रक्रिया को रोक दिया था। कनाडा से पहले इस तरह की कूटनीतिक तनातनी केवल पाकिस्तान के साथ थी।

पिघलेगी संबंधों की जमी हुई बर्फ

शुरू में जब कनाडा को 2025 के शिखर सम्मेलन की मेजबानी दी गई थी उस वक्त लग रहा था कि ट्रूडो की अध्यक्षता में ही बैठक होगी। ऐसे में इस बात की उम्मीद बहुत कम थी कि कालांतर में भारत-कनाडा द्विपक्षीय संबंध इतने बेहतर हो जाएंगे कि भारत को आमंत्रित किया जा सकेगा। जस्टिन ट्रूडो के इस्तीफे के बाद मार्क

कार्नी नए प्रधानमंत्री बने। चूंकि कार्नी भी ट्रूडो की पार्टी के ही नेता हैं इसलिए आशंका यही थी कि संभवतः कार्नी के कालखंड में नई दिल्ली और ओटावा के बीच द्विपक्षीय संबंध पटरी पर न लौट सके। लेकिन ट्रूडो युग के अंत के बाद कनाडा में बदलाव की बयार बहने लगी। दोनों प्रमुख दलों (लिबरल और कंजर्वेटिव) ने चुनाव अभियान में भी इस बात पर जोर दिया कि वे भारत के साथ संबंध बहाल करेंगे। जल्द ही नई सरकार की विदेशमंत्री अनीता आनंद ने संबंधों को चरणबद्ध तरीके से सामान्य बनाए जाने की बात कहकर यह साफ कर दिया कि कनाडा की नई सरकार भारत के साथ संबंधों को लेकर संजीदा है।

इसके बाद शीर्ष नेतृत्व की ओर से भी संबंध सुधारने की दिशा में प्रयास हुए। अब कार्नी ने साफ कर दिया है कि जी-7 देश दुनिया के विकासशील देशों के साथ अच्छे सबंध बनाना चाहते हैं ताकि ऊर्जा, पर्यावण और राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंडे को लागू किया जा सके। भारत की भागीदारी के बिना इस एजेंडे को पुरा किया जाना संभव नहीं है। बहरहाल, मोदी और कार्नी के बीच द्विपक्षीय वार्ता हो चुकी है। वार्ता के दौरान माहौल काफी खुशनुमा था। दोनों नेता जिस गर्मजोशी से मिले, उससे साफ है कि नई दिल्ली और ओटावा के बीच जमी हुई बर्फ जल्द ही पिघलती हुई दिखेगी। लेकिन दोनों देशों के बीच विवाद के कुछ बिन्दु अभी भी अनुत्तरित हैं। खालिस्तानियों की गतिविधियों व उनकी फंडिंग के मुद्दे पर भारत और कनाडा के बीच विवाद है। भारतीय राजनयिक मिशनों के बाहर होने वाला खालिस्तानी विरोध प्रदर्शन लंबे समय से भारत और कनाडा के बीच टकराव का कारण रहा है, भारत चाहता है कि कैनेडियन सरकार इस मामले में कड़ा रुख अपनाकर विरोध प्रदर्शनों पर प्रतिबंध लगाए। जबकि कनाडा इसे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता मानता है। उसका कहना है कि शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन नागरिकों का कानूनी अधिकार है। दूसरी और अमेरिका-कनाडा संबंध भी नाजुक दौर में हैं। ट्रंप की टैरिफ नीति और कनाडा को अमेरिकी संघ में शामिल करने की उनकी मंशा के बाद दोनों देशों के संबंधों में तल्खी और बढ़ गई है। ऐसे में कनाडा भी अमेरिका पर अपनी निर्भरता कम करना चाहता है। भारत का ब्रिटेन के साथ व्यापार समझौता है। इस महीने के अंत तक भारत का अमेरिका के साथ भी व्यापार समझौता हो जाएगा। ऐसे में अगर भारत-कनाडा संबंधों में गर्मजोशी लौटती है तो भारत के बडे. बाजार का लाभ कनाडा को मिल सकेगा। दूसरी ओर भारत को भी कनाडा के प्राकृतिक गैस और खनिजों के विशाल भंडार का लाभ मिल सकेगा। जाहिर है दोनों देश ट्रंप के आयात शुल्क को ध्यान में रखते हुए निज्जर हत्याकांड के फलस्वरूप संबंधों में आई तल्खी से बाहर निकल कर आर्थिक हितों को प्राथमिकता देंगे।

नया मोर्चा बनाने की मंशा

बहुत संभव है कि ट्रंप की व्यापार और विस्तार नीति के विरूद्ध कार्नी कोई मोर्चा बनाने की मंशा रखते हों। जिस तरह से उन्होंने जी- 7 के मेजबान देश की हैसियत से मैक्सिको, ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका और अंततः भारत को विशेष आमंत्रित सदस्य के रूप में शिखर बैठक में आमंत्रित किया है, उससे उनके इरादे जाहिर हो रहे हैं। हालांकि, मोदी को आमंत्रित किए जाने के फैसले को लेकर कनाडा के अंदर अभी भी विरोध के स्वर उठ रहे हैं। ऐसे में यह देखना काफी दिलचस्प होगा मोदी के कनाडा दौरे के बाद भारत की कूटनीति खालिस्तानी समर्थक समूहों के विरोध का सामना किस तरह से करती है। स्थिति चाहे जो भी बने लेकिन यह तय है कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद जिस तरह से विदेश नीति और कूटनीतिक के मोर्चे पर देश के भीतर मोदी सरकार की आलोचना हो रही है, उसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को कनाडा जैसे देश का साथ निस्संदेह राहत की बात होगी।

हरियाणा बाक्सिंग संघ के अध्यक्ष मेजर सत्यपाल सिंधु की माता परमेश्वरी देवी के निधन पर फेडरेशन व खिलाड़ियों ने रखा दो मिनट का मौन

हरियाणा के आशीष पंजाब के नवजोत को पछाड़कर अगले दौर में, जीया ने आंध्र प्रदेश की प्रिया को हराया

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

राजीव गांधी खेल परिसर स्थित नेशनल बॉक्सिंग अकादमी में चल रही छठी अंडर-17 नेशनल जूनियर बॉक्सिंग चैंपियनशिप के तीसरे दिन शनिवार को रोमांचक मुकाबलों का सिलसिला जारी रहा। विभिन्न राज्यों से आए प्रतिभाशाली युवाओं ने रिंग में अपनी तेज तर्रार मुक्केबाज़ी और तकनीक का दम दिखाया। ब्वायज कैटेगरी में हरियाणा के आशीष ने दमदार प्रदर्शन करते हुए पंजाब के नवजोत को कड़े मुकाबले में हराकर अगले दौर में अपनी जगह बनाई। आशीष की मुक्केबाज़ी में आक्रामकता के साथ-साथ तकनीकी संतुलन भी देखने को मिला, जिसने दर्शकों को रोमांचित कर दिया। वहीं

गर्ल्स कैटेगरी में हरियाणा की जीया ने आंध्र प्रदेश की भार्गवी प्रिया को हराकर बढ़त बनाई। जीया की फुर्तीली चाल और सटीक पंचों ने विरोधी मुक्केबाज़ को टिकने का मौका नहीं दिया और मुकाबले की शुरुआत से ही उन्होंने बढ़त बना ली। प्रशासनिक निदेशक ओमबीर हुड्डा ने बताया कि चैंपियनशिप में अलग-अलग भारवर्गों में हो रहे मुकाबलों में युवा खिलाड़ियों ने अनुशासन, ऊर्जा और खेल भावना के साथ प्रदर्शन किया। तीसरे दिन के मुकाबलों में कई उभरते मुक्केबाजों ने अपने शानदार खेल से दर्शकों और कोचों को प्रभावित किया। छठी जूनियर बॉक्सिंग चैंपियनशिप में देशभर की 32 टीमों के साथ-साथ टाटा स्टील व जेएसडब्ल्यू जैसी प्रमुख इकाइयों की टीमें हिस्सा ले रही हैं। प्रतियोगिता में 800 से अधिक मुक्केबाज भाग ले रहे हैं और प्रतियोगिता 25 जून तक चलेगी।

मेजर सत्यपाल सिंधु की माता के निधन पर शोक

इस दौरान गंभीर क्षण तब आया जब हरियाणा बाक्सिंग संघ के अध्यक्ष मेजर सत्यपाल सिंधु की माता परमेश्वरी देवी के निधन की खबर सामने आई। उनकी आत्मा की शांति के लिए पूरी फेडरेशन और सभी प्रतिभागी खिलाड़ियों ने दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की। यह पल आयोजन स्थल पर उपस्थित सभी लोगों के लिए भावुक कर देने वाला रहा।

ब्वायज केटेगरी के परिणाम

44-46 किलोग्राम
विग्नेश कोलार
थोना लुवांग
आकाश
उदय सिंह
प्रिंस गोवाला
आर्यन मुखी
जैनेश कुमार
साहिल कौरी

46-48 किलोग्राम
शिवदीप कुमार
लक्ष्या जीत
श्रेयांश
राहुल रंजन
गोपाल गणेशी

48-50 किलोग्राम
अमन देव
भार्गव
हर्षदीप जाधव
याराजुंतला ईशवर
प्रीतम मंतेश
सागर राय
अर्जुन लमानी
लंचेंबा सिंह

50-52 किलोग्राम
अंकुश कुमार
टीकम सिंह
युवराज शेख
योगी शर्मा
आर रशवंत

52-54 किलोग्राम
दमन चौधरी
आशीष
लक्की यादव
साईं राज रास्कर

54-57 किलोग्राम
गौरंगा दत्ता

लड़कियों के परिणाम

44-46 किलोग्राम
मालसांदांगकीमी
श्रीवर्षा
जीन्नत मलिक
गीता ओली
पलक
खुशीचंद

46-48 किलोग्राम
जीया
बनाश्री राय
तानवी कटोच
अफासा कालिया

48-50 किलोग्राम
नेहा मारायनी सीधी
अहाना शर्मा
साक्षी नाग
सुविधन्या डोडके
ममता रोट

50-52 किलोग्राम
नैना राणा
कृति अग्रवाल
मारया पामेय
अर्शी हनीफ

52-54 किलोग्राम
अदरिका सिंह हाडा
भूमि राणा
जन्नत
ममता

54-57 किलोग्राम
प्रतिमा
हर्षिता कुमारी
श्रवानी
मधुकर पाटिल

57-60 किलोग्राम
चेतन्या
शिमरजीत कौर
अर्तिना देवी
चाहत
यशादा भोसलें

60-63 किलोग्राम
धनती शाक्या
रिया

टेस्ट : सबसे कम स्कोर पर ऑलआउट होने वाली भारत चौथी टीम

पंत और बुमराह के जलवे के बीच पोप ने शतक लगाकर इंग्लैंड को मैच में लौटाया

एजेंसी ⏭ लीड्स

ऋषभ पंत के शानदार शतक के बाद जसप्रीत बुमराह ने अपनी तेज गेंदबाजी का जलवा दिखाया लेकिन ओली पोप के सैकड़े की मदद से इंग्लैंड ने भारत के खिलाफ पहले क्रिकेट टेस्ट के दूसरे दिन शनिवार को तीन विकेट पर 209 रन बना लिये। पोप 100 रन बनाकर खेल रहे हैं जबकि हैरी ब्रूक ने अभी खाता नहीं खोला है।

भारत के पहली पारी के स्कोर 471 रन से इंग्लैंड अभी 262 रन पीछे हैं। ब्रूक भाग्यशाली रहे कि आखिरी ओवर में बुमराह की जिस गेंद पर मोहम्मद सिराज ने उनका कैच लपका, वह नो बॉल करार दी गई। इंग्लैंड के सभी बल्लेबाजों को बुमराह ने परेशान किया हालांकि सर्रे के लिये काउंटी क्रिकेट खेलने वाले पोप ने उनका डटकर सामना किया। बुमराह ने पहले ही ओवर में जाक क्राउली (चार) को आउट करके इंग्लैंड को अच्छी शुरूआत करने से रोक दिया था। क्राउली पहली तीन गेंदों पर भी असहज दिखे और चौथी गेंद पर पहली स्लिप में करूण नायर को कैच दे बैठे।

पंत ने बनाए 134 रन

भारत के लिए राहुल और यशस्वी ने अच्छी शुरुआत की और पहले विकेट के लिए 91 रन जोड़े। शुभमन गिल ने 227 गेंदों का सामना किया और 19 चौके तथा एक छक्के की मदद से 147 रन बनाए। वहीं, ऋषभ पंत ने 178 गेंदों का सामना किया और 12 चौके और छह छक्के की मदद से 134 रन बनाए।

अनचाहे क्लब में शामिल

इसी के साथ भारतीय टीम दक्षिण अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया और वेस्टइंडीज के अनचाहे क्लब में शामिल हो गई। दरअसल, इन तीनों टीमों ने तीन शतक के बावजूद 500 का आंकड़ा नहीं छू पाया था। ऐसा ही कुछ भारतीय टीम के साथ भी हुआ। उसके तीन बल्लेबाजों ने शतक लगाए लेकिन टीम 500 का आंकड़ा नहीं छू पाई और इस दौरान सबसे छोटा स्कोर बनाया।

तीन शतक के बावजूद सबसे कम स्कोर पर ऑलआउट होने वाली टीमें

स्कोर	टीम	विपक्षी टीम	स्थान	वर्ष
471	भारत	इंग्लैंड	हेडिंग्ले	2025
475	द.अफ्रीका	इंग्लैंड	सेंचुरियन	2016
494	ऑस्ट्रेलिया	इंग्लैंड	हेडिंग्ले	1924
497	वेस्टइंडीज	भारत	कोलकाता	2002

पंत ने धोनी को पछाड़ा : ऋषभ पंत टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा सात शतक लगाने वाले भारतीय विकेटकीपर बन गए। धोनी ने 90 टेस्ट में 4876 रन बनाए जिसमें छह शतक लगाए हैं।

स्कोर बोर्ड

भारत पहली पारी	रन	गेंद	4	6
यशस्वी जायसवाल बो स्टोक्स	101	159	16	1
केएल राहुल का रूट बो कार्स	42	78	8	0
साई सुदर्शन का स्मिथ बो स्टोक्स	00	04	0	0
शुभमन गिल का टंग बो बशीर	147	227	19	1
ऋषभ पंत पगबाधा बो टंग	134	178	12	6
करुण नायर का पोप बो स्टोक्स	00	04	0	0
रविंद्र जडेजा बो टंग	11	15	2	0
शार्दुल का स्मिथ बो स्टोक्स	01	08	0	0
बुमराह का ब्रूक बो टंग	00	05	0	0
मोहम्मद सिराज नाबाद	03	07	0	0
प्रसिद्ध कृष्णा बो टंग	01	03	0	0

अतिरिक्त : 31, कुल : 113 ओवर में 471/10
गेंदबाजी : वोक्स 24-4-103-0, कार्स 22-5-96-1, टंग 20-0-86-4, स्टोक्स 20-1-66-4, बशीर 27-6-100-1

भारतीय महिला हॉकी टीम बेल्जियम से 1-5 से हारी

एंटवर्प। भारतीय महिला हॉकी टीम का एफआईएच प्रो लीग में लचर प्रदर्शन यहां शनिवार को भी जारी रहा जब टीम को बेल्जियम के खिलाफ 1-5 की करारी हार का सामना करना पड़ा। टूर्नामेंट के यूरोपीय चरण में यह भारतीय टीम की लगातार पांचवीं हार है। टीम ने इससे पहले लंदन में ऑस्ट्रेलिया और अर्जेन्टीना के खिलाफ दो-दो मैच गंवाए। शनिवार को दीपिका (छठे मिनट) ने भारत को बढ़त दिलाई लेकिन मध्यांतर के बाद बेल्जियम की टीम पूरी तरह हावी रही और हेलेन बेसेर (37वें और 55वें), लूसी ब्रेन (41वें मिनट), एंबे बेलेंगहीन (54वें मिनट) और चार्लोट एंगलबर्ग (58वें मिनट) के गोल की बदौलत आसान जीत दर्ज करने में सफल रही।

जूनियर हॉकी टूर्नामेंट में जर्मनी से 1-7 से हारा

बर्लिन। भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम ने शनिवार को यहां चार देशों के टूर्नामेंट में अपने अभियान की शुरुआत मेजबान जर्मनी के खिलाफ 1-7 की हार के साथ की। जर्मनी ने मैच पर शुरुआत से ही नियंत्रण बना लिया जब निको किस्टीन ने चौथे मिनट में ही पेनल्टी कॉर्नर पर गोल करके टीम को 1-0 से आगे कर दिया। एलेक्स वॉन श्वेरिन (पांचवें मिनट) ने मैदानी गोल करके शुरुआती पांच मिनट में ही मेजबान टीम को 2-0 की बढ़त दिला दी।

पुरुष हॉकी: बेल्जियम ने भारत को 6-3 से हराया

एंटवर्प। भारतीय टीम का एफआईएच पुरुष प्रो लीग हॉकी के यूरोपीय चरण में खराब प्रदर्शन जारी है और अब बेल्जियम ने उसे 6-3 से हराया जो उसकी लगातार सातवीं हार है। आर्थर वान डोरेन ने पहले ही मिनट में गोल करके दुनिया की तीसरे नंबर की टीम बेल्जियम को बढत दिला दी। इसके बाद 28वें मिनट में अलेक्जेंडर हेंडरिक्स ने एक और गोल करके यह बढत 2-0 की कर दी।

कुश्ती चैंपियनशिप

भारत ने जीता अंडर 23 एशियाई चैंपियनशिप का टीम खिताब

एजेंसी ⏭ वुंग ताऊ

भारतीय महिला पहलवानों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अंडर-23 एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप में चार स्वर्ण और पांच रजत सहित सभी 10 वर्गों में एक-एक पदक जीतकर टीम खिताब अपने नाम किया। प्रियांशी प्रजापत (50 किग्रा), रीना (55 किग्रा), सृष्टि (68 किग्रा) और प्रिया (76 किग्रा) ने स्वर्ण पदक जीते। भारत की पांच अन्य पहलवानों ने भी फाइनल में जगह बनाई थी लेकिन आखिर में उन्हें रजत पदक से संतोष करना पड़ा। नेहा शर्मा (57 किग्रा), तन्वी (59 किग्रा), प्रगति (62 किग्रा), शिक्षा (65 किग्रा) और ज्योति बेरवाल (72 किग्रा) ने रजत पदक जीते जबकि हिनाबेन खलीफा (53 किग्रा) ने कांस्य पदक हासिल किया। ग्रीको-रोमन शैली में सुमित ने 63 किग्रा वर्ग में स्वर्ण पदक जीता जबकि नितेश (97 किग्रा) और अंकित गुलिया (72 किग्रा) ने कांस्य पदक जीते। पुरुषों की फ्रीस्टाइल स्पर्धाओं में विक्की ने 97 किग्रा वर्ग में स्वर्ण पदक जीता जबकि निखिल (61 किग्रा), सुजीत कलकल (65 किग्रा), जयदीप (74 किग्रा), चंद्रमोहन (79 किग्रा) और सचिन (92 किग्रा) भी स्वर्ण पदक के लिए अपना दांव लगाएंगे।

खलिन ने की कोर्स रिकॉर्ड की बराबरी

मराकेश। भारत के खलिन जोशी ने दूसरे दौर में नौ अंडर 63 के स्कोर से यहां मोरक्को राइजिंग स्टार्स मराकेश गोल्फ टूर्नामेंट में कोर्स रिकॉर्ड की बराबरी की और तीसरे स्थान पर पहुंच गए। पहले दिन एक अंडर 71 का स्कोर बनाने वाले जोशी का कुल स्कोर 10 अंडर है। भारतीय-अमेरिकी गोल्फर वरुण चोपड़ा (67-66) और मोरक्को के अयूब एलगुझराटी (67-66) 11 अंडर के कुल स्कोर से संयुक्त रूप से शीर्ष पर हैं। अन्य भारतीयों में करणदीप कोच्चर (पांच अंडर 67) सात अंडर के कुल स्कोर से संयुक्त रूप से नौवें स्थान पर हैं। जितेष संधू (दो अंडर 70) छह अंडर के कुल स्कोर से संयुक्त 12वें जबकि राहिल गंगजी और अर्जुन शर्मा तीन अंडर के कुल स्कोर से संयुक्त 36वें स्थान पर हैं।

नीरज 88.16 मीटर के थ्रो से बने डायमंड लीग चैंपियन, दो साल में जीता दूसरा खिताब

एजेंसी ⏭ पेरिस

ओलंपिक में दो बार के पदक विजेता भारतीय भाला फेंक सुपरस्टार नीरज चोपड़ा ने दो साल में अपना पहला डायमंड लीग खिताब जीता। शुक्रवार देर रात संपन्न प्रतियोगिता में 27 वर्षीय चोपड़ा ने अपने पहले प्रयास में 88.16 मीटर की दूरी तय करके खिताब जीता। इस प्रतियोगिता में कई स्टार खिलाड़ियों ने भाग लिया था जिसने पांच ऐसे खिलाड़ी शामिल हैं जो 90 मीटर की दूरी तय कर चुके हैं। चोपड़ा का दूसरा थ्रो 85.10 मीटर का था और इसके बाद उन्होंने अपने अगले तीन प्रयासों में फाउल किया। उन्होंने अपने छठे और अंतिम प्रयास में 82.89 मीटर का थ्रो किया। जर्मनी के जूलियन वेबर 87.88 मीटर के अपने शुरुआती प्रयास के साथ दूसरे स्थान पर रहे। ब्राजील के लुईज़ मौरिसियो दा सिल्वा ने 86.62 मीटर के अपने तीसरे प्रयास के साथ तीसरा स्थान हासिल किया।

नीरज के थ्रो

अटैम्प	थ्रो मीटर
1	**88.16**
2	85.10
3	फाउल
4	फाउल
5	फाउल
6	82.89

'मैं अपने थ्रो से खुश हूं। आज मेरा रन अप बहुत तेज था। मैं अपनी गति पर नियंत्रण नहीं रख सकता, लेकिन मैं परिणाम और पहले स्थान पर रहकर खुश हूं।'
- नीरज चोपड़ा

पेरिस का पहला खिताब

लगातार दो ओलंपिक में स्वर्ण और रजत पदक जीतने वाले चोपड़ा ने डायमंड लीग में अपना आखिरी खिताब जून 2023 में लुसाने में 87.66 मीटर के थ्रो के साथ जीता था। उसके बाद वह डायमंड लीग की छह प्रतियोगिताओं में दूसरे स्थान पर रहे थे। हरियाणा के इस स्टार खिलाड़ी ने डायमंड लीग के पेरिस चरण में पहली बार जीत हासिल की। उन्होंने आखिरी बार 2017 में जूनियर विश्व चैंपियन के रूप में पेरिस डायमंड लीग में भाग लिया था और 84.67 मीटर के थ्रो के साथ पांचवें स्थान पर रहे थे।

अन्य खिलाड़ियों का प्रदर्शन

पेरिस डायमंड लीग में भाग लेने वाले खिलाड़ियों में चोपड़ा और वेबर के अलावा जिन तीन अन्य खिलाड़ियों ने पहले 90 मीटर का आंकड़ा छुआ था उनमें कीनिया के 2015 विश्व चैंपियन जूलियस येगो, त्रिनिदाद और टोबैगो के 2012 के ओलंपिक स्वर्ण विजेता केशोर्न वाल्कोट और ग्रेनेडा के एंडरसन पीटर्स शामिल थे। वाल्कोट (81.66 मीटर) चौथे स्थान पर रहे, जबकि पीटर्स (80.29 मीटर) और येगो (80.26 मीटर) ने क्रमशः पांचवां और छठा स्थान हासिल किया।

हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक देवेन्द्र सिंह द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड़, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, नजदीक इंडस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक-124001 से प्रकाशित। संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी। RNI No. 63924/1996, फोन : 9253681019-20, फैक्स : 274202, e-mail : rohtak@haribhoomi.com, rohtakharibhoomi@gmail.com
Postal Regd. No. P/RTK/389/2023-25

Blend of 8 Effective Ayurvedic Oils

Dr. Juneja's
डा.ऑर्थो®
Ayurvedic Oil, Capsules, Spray & Ointment

NO.1 BRAND INDIA 2024
WORLD'S GREATEST BRANDS 2015-16 IUA

ज्योतिष्मती तेल
रक्त संचारण में सुधार कर जोड़ों के लचीलेपन को बढ़ाने में सहायक है।

निर्गुण्डी तेल
नसों के दर्द और जोड़ों की ऐंठन में फायदेमंद है।

पुदीना तेल
इसके ठंडक देने वाले गुण दर्द एवं सूजन को शांत करते है।

तिल तेल
मांसपेशियों और जोड़ों के दर्द एवं सूजन के लिए लाभकारी।

गन्धपुरा तेल
जोड़ों के दर्द, मांसपेशियों में अकड़न और गठिया में सहायक।

चीड़ तेल
मांसपेशियों व सम्पूर्ण जोड़ों के स्वास्थ्य के लिए लाभदायक।

कपूर तेल
जोड़ों में अकड़न एवं दर्द कम करने में उपयोगी।

अलसी तेल
जोड़ों और मांसपेशियों में सूजन कम करने में सहायक है।

UIN-A02-AY-PB-2025

8 गुणकारी आयुर्वेदिक तेलों से बना डा. ऑर्थो तेल अंदर तक समाकर दर्द को कम करने में सहायता करता है। आयुर्वेदिक तेलों का यह मिश्रण उपयोग करने में सुरक्षित है। इसे खुले जख्मों पर न लगाएं।

मिलते जुलते नामों, विज्ञापन से सावधान

Clinically Tested*
*For efficacy and safety.
• 24x7 Helpline: 7876977777
• www.drorthooil.com

भारत के खिलाफ आतंकी गतिविधियों के समर्थन का भुगतना पड़ेगा परिणाम : राजनाथ सिंह

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के मौके पर उधमपुर में सेना के जवानों को संबोधित करते हुए रक्षा मंत्री का पाकिस्तान को दो टूक संदेश, 2 हजार 500 जवानों के साथ राजनाथ सिंह ने किए योगासन और प्राणायाम

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶| नई दिल्ली

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को 11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस-2025 के मौके पर जम्मू-कश्मीर के उधमपुर में सेना के कुल ढाई हजार जवानों के साथ अलग-अलग योगासन किए। साथ ही अपने संबोधन में उन्होंने एक ओर जवानों को योग के शारीरिक और मानसिक लाभ बताते हुए कहा कि यह अस्त-व्यस्त लोगों को तनाव, चिंता और अवसाद जैसी समस्याओं के सर्वमान्य समाधान के साथ एकाग्रता प्रदान करता है। वहीं, दूसरी ओर इसी योग से मिले आत्म नियंत्रण और आंतरिक शक्ति की बदौलत हमारे जवानों ने ऑपरेशन सिंदूर की कार्रवाई को संयम, संतुलन और सटीकता के साथ पूरा किया है। इस सैन्य अभियान ने पाकिस्तान को यह साफ संदेश दे दिया है कि अब अगर उसने भारत के खिलाफ आतंकवादी गतिविधियों का समर्थन किया। तो उसे उसके परिणाम भुगतने पड़ेंगे। साथ ही आतंकवाद से भारत को हजारों घाव देने का पाकिस्तानी अभियान अब सफल होने वाला नहीं है। भारत की धरती पर होने वाला कोई आतंकी हमला पाकिस्तान को बहुत महंगा पड़ने वाला है। रक्षा मंत्री के साथ सेनाप्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी और सेना की उत्तरी कमांड के वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों ने भी इस योग कार्यक्रम में भाग लिया। रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में यह जानकारी दी।

यूं पाक को झुकना पड़ा

रक्षा मंत्री ने कहा कि पाकिस्तान ने पहलगाम आतंकी हमले के जरिए भारत की सामाजिक और सांप्रदायिक एकता को निशाना बनाया था। लेकिन ऑपरेशन सिंदूर से हमने उन्हें अपना संदेश साफ कर दिया है कि अब भारत, पाकिस्तान के समर्थन से किए जाने वाले किसी भी आतंकी हमले को स्वीकार नहीं करेगा। उन्होंने देश की 7 मई की कार्रवाई को 2016 की सर्जिकल स्ट्राइक, 2019 की बालाकोट एयरस्ट्राइक का नैसर्गिक परिणाम बताया। साथ ही ये भी स्पष्ट किया कि इसे इस तरह से अंजाम दिया गया था कि पाकिस्तान ने भारत से संघर्षविराम करने का अनुरोध किया और उसके बाद ही हमने ऑपरेशन सिंदूर को रोका था। लेकिन ये अभियान अभी खत्म नहीं हुआ है और भारत आतंकवाद के खिलाफ हर तरह की कार्रवाई करने के लिए पूरी तरह से तैयार है। भारत ने विश्व को शस्त्र नहीं शास्त्र दिए हैं। योग हमारा सबसे प्रभावशाली शास्त्र है। जो न शोर करता है, न दिखावा, बस खामोशी से दुनिया को बदल रहा है।

मेजर शर्मा, ब्रिगेडियर उस्मान को किया याद

राजनाथ के मुताबिक, पहलगाम हमले के जरिए पाकिस्तान हमारे देश को अंदर से कमजोर करना चाहता है। लेकिन उसे ये कभी नहीं भूलना चाहिए कि मेजर सोमनाथ शर्मा और ब्रिगेडियर उस्मान ने भी देश की एकता और अखंडता के लिए अपनी जान कुर्बान कर दी थी। योग अभ्यास का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि इसका सही अर्थ भी याद रखना चाहिए। जो समाज के प्रत्येक वर्ग को भारत की संस्कृति और आत्मा से जोड़ता है। अगर एक भी वर्ग पीछे छूट जाता है तो एकता, सुरक्षा का पहिया टूट जाता है। जिसकी वजह से हमें सिर्फ शारीरिक स्तर पर नहीं बल्कि सामाजिक, वैचारिक स्तर पर योग करना चाहिए।

प्राचीन परंपरा को मिली वैश्विक मान्यता

उन्होंने कार्यक्रम में प्रधानमंत्री के 'योग विश्व का उपहार है' के कथन को दोहराया। साथ ही कहा, ये सिर्फ एक कूटनीतिक कथन नहीं है। बल्कि एक दृष्टिकोण है। योग के जरिए भारत ने दुनिया को एक ऐसा साधन दिया है। जो किसी भी सीमा, धर्म और संस्कृति से परे है। 2025 में योग की विषय वस्तु एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य, एक विश्व के संदेश को समझाते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि भारत न केवल अपने लिए बल्कि विश्व के कल्याण के बारे में भी सोचता है। संपूर्ण विश्व एक परिवार है और उसका कल्याण करना हमारी सोच का हिस्सा है। ये मौन रूप से दुनिया को बदल रहा है। हर नागरिक को इस बात पर गर्व होना चाहिए कि भारत की प्राचीन परंपरा को वैश्विक मान्यता के साथ स्वीकृति मिल रही है। रक्षा मंत्री के अलावा रक्षा राज्य मंत्री, रक्षा सचिव और तीनों सेनाप्रमुखों ने भी देश के अलग-अलग भागों में आयोजित किए गए योग कार्यक्रमों में हिस्सा लिया।

अब तक 827 भारतीय नागरिकों की हुई वतन वापसी

ईरान में श्रीलंका और नेपाल के नागरिकों की वतन वापसी में भी मदद करेगा भारत

ऑपरेशन सिंधु के तहत ईरान से भारतीय लोगों के स्वदेश लौटने का सिलसिला जारी

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶| नई दिल्ली

इजरायल-ईरान के बीच भीषण युद्ध की वजह से भारत ने दोनों देशों से ऑपरेशन सिंधु के तहत अपने नागरिकों की सुरक्षित स्वदेश वापसी की कवायद शुरू कर दी है। जिसमें मदद प्रदान करने के लिए ईरान ने भारत के लिए अपनी हवाई सीमा खोल दी है। अब तक विभिन्न विशेष विमानों के जरिए कुल 827 भारतीय ईरान से सुरक्षित स्वदेश पहुंच गए हैं। जल्द ही और फ्लाइट भी नई दिल्ली पहुंचेंगी। जिसके बाद देश पहुंचने वाले भारतीयों की संख्या में और अधिक इजाफा देखने को मिलेगा। वहीं, श्रीलंका और नेपाल की सरकारों के अनुरोध पर अब भारत ईरान से अपने नागरिकों के साथ उनके लोगों की भी सुरक्षित निकासी में मदद प्रदान करेगा। ईरान में भारतीय दूतावास ने बताया कि भारत के दोनों पड़ोसी देशों के नागरिकों ने हमारे टेलीग्राम चैनल और हेल्पलाइन नंबरों पर संपर्क कर हमसे मदद मांगी है। दूतावास उन्हें सहयोग कर रहा है। केंद्र सरकार की योजना शुरुआत में 1 हजार लोगों की ईरान से सुरक्षित वतन वापसी कराने की है। इसी क्रम में शनिवार को दो विमान ईरान से भारत पहुंचे। जिनमें सुबह तड़के तीन बजे तुर्कमेनिस्तान के अश्गाबात से एक विशेष विमान भारतीयों को लेकर नई दिल्ली पहुंचा। इसके बाद दोपहर करीब साढ़े चार बजे 310 लोगों को एक अन्य विमान मशहद से इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर लैंड हुआ। यह जानकारी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक्स पर कुछ पोस्ट के जरिए दी। ईरान से नई दिल्ली हवाईअड्डे पर पहुंचते ही भारतीयों ने हिंदुस्तान जिंदाबाद और भारत माता की जय के नारे लगाए। साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ केंद्र सरकार को उनकी सुरक्षित वतन वापसी कराने के लिए धन्यवाद दिया। बीते शुक्रवार देर रात 11 बजकर 30 मिनट पर ईरान की विमान कंपनी महान एयर का एक चार्टर विमान नई दिल्ली हवाई अड्डे पर उतरा था। जिसमें छात्रों और तीर्थयात्रियों को मिलाकर कुल 290 भारतीय नागरिक सवार थे। इसके साथ ही ईरान से भारत पहुंचा देश के नागरिकों का यह दूसरा बैच था।

बिहार सरकार ने वृद्धावस्था, विधवा पेंशन में 700 रुपये प्रति माह की बढ़ोतरी की

पटना (भाषा)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शनिवार को कहा कि उनकी सरकार ने वरिष्ठ नागरिकों, विधवाओं और दिव्यांगों की पेंशन में 700 रुपये प्रति माह की वृद्धि करने का निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री कुमार ने कहा कि जुलाई से लाभार्थियों को 1,100 रुपये की बढ़ी हुई पेंशन मिलेगी। कुमार ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा, "मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के तहत सभी वृद्धजनों, दिव्यांगजनों और विधवा महिलाओं को अब हर महीने 400 रुपये की जगह 1100 रुपये पेंशन मिलेगी।" उन्होंने लिखा, "सभी लाभार्थियों को जुलाई महीने से पेंशन बढ़ी हुई दर पर मिलेगी।" उन्होंने कहा कि सभी लाभार्थियों के खाते में यह राशि महीने की 10 तारीख को भेजना सुनिश्चित किया जाएगा। समाज कल्याण विभाग की सचिव वंदना प्रेयसी ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, /"सरकार के इस निर्णय से लाभार्थियों को मदद मिलेगी और यह सुनिश्चित होगा कि वे सम्मानजनक जीवन जी सकें, जो सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। सामाजिक सुरक्षा को विकास प्रक्रिया का एक महत्वपूर्ण घटक माना जाता है।" मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में पेंशन योजना के लाभार्थियों की कुल संख्या 1.09 करोड़ से अधिक है।

जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल करने में देरी हुई तो उच्चतम न्यायालय जाएंगे : अब्दुल्ला

अनंतनाग (भाषा)। नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने शनिवार को कहा कि यदि जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल करने में अत्यधिक देरी हुई, तो उनकी पार्टी उच्चतम न्यायालय का दरवाजा खटखटाएगी। फारूक अब्दुल्ला ने दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग जिले के कोकेरनाग इलाके में पार्टी कार्यकर्ताओं की बैठक के बाद संवाददाताओं से कहा, "चुनाव के बाद लोग चाहते थे कि उनके मुद्दों का तुरंत समाधान हो, लेकिन राज्य का दर्जा (बहाल न किया जाना) हमें ऐसा करने से रोक रहा है। लोगों की कई मांगें हैं जैसे कि वे चाहते हैं कि वह (नेशनल कॉन्फ्रेंस के विधायक अल्ताफ कालू) मंत्री बनें, लेकिन जब तक राज्य का दर्जा बहाल नहीं हो जाता, यह कैसे संभव है? 'उन्होंने कहा, " हम जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा मिलने का इंतजार कर रहे हैं, लेकिन अगर वे (केंद्र) लंबा समय लेंगे, तो हमारे पास उच्चतम न्यायालय जाने के अलावा कोई विकल्प नहीं होगा। मुझे उम्मीद है कि जब राज्य का दर्जा बहाल होगा, तो हमें सभी अधिकार मिलेंगे।" इजराइल-ईरान संघर्ष को लेकर नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष ने कहा कि वह अल्लाह से दुआ करते हैं कि वह दोनों देशों को युद्ध रोकने की सद्बुद्धि प्रदान करें।

Hero MotoCorp Ltd. Regd. Office: The Grand Plaza, Plot No. 2, Nelson Mandela Road, Vasant Kunj Phase - II, New Delhi - 110070, India. I CIN: L35911DL1984PLC017354 | For further information, contact your nearest Hero MotoCorp authorised outlet or visit us on www.HeroMotoCorp.com. Accessories and features shown may not be a part of standard fitment. Always wear a helmet while riding a two-wheeler. †Fastest compared to all oil & air cooled engine motorcycles in the 125cc segment as per internal testing, with a 0-60 km/h acceleration time of 5.7 seconds. **Based on the data available in the public forum for products in 125cc Motorcycle segment. ##Revised Ex-showroom price of Xtreme 125R IBS OBD2B Variant after ₹3000 cash bonus in Haryana. ^The discount is applicable on minimum transaction of Rs.1,00,000, subject to the credit card company's T&Cs. T&C apply. ~Financial schemes are at the sole discretion of the financier, subject to its respective T&Cs. $Cash discount available on all variants of Xtreme 125R.

Authorised Dealers: Ambala Cantt: Haryana Motors, 9289923122; **Ambala City: Dhruv Hero**, 9289922868; **Assandh: Sandhu Hero**, 9289922815; **Bahadurgarh: Satvik Hero**, 9289922550 **Bhiwani: Jaya Hero**, 9289922056; **Ellenabad: Ajit Hero**, 9289922505; **Fatehabad: Shri Balaji Hero**, 9289922057; **Gharaunda: Laxmi Hero**, 9289922433; **Gohana: Krishna Hero**, 9289923026; **Hisar: Chaudhary Hero**, 9289922049, **Vikrant Hero**, 9289923082; **Jhajjar: Pushkar Hero**, 9289923147; **Jagadhari: Khanna Hero**, 9289922050; **Jind: National Hero**, 9289922061; **Kaithal: Chaudhary Hero**, 9289922062; **Karnal: Nirmal Hero**, 9289922048; **Kurukshetra: VPS Hero**, 9289922988; **Ladwa: Khanna Hero**, 9289922063; **Mandi Dabwali: Karan Hero**, 9289922490; **Nuh: Sunil Hero**, 9289923087; **Narnaul: Autodeals Hero**, 9289922058; **Narwana: Narwana Hero**, 9289923101; **Palwal: DevVaahan Hero**, 9289922877; **Panchkula: Regent Hero**, 9289923161; **Panipat: Kadian Hero**, 9289923182, **Sahib Hero**, 9289922059; **Pehowa: Saraswati Hero**, 9289922393; **Rewari: Virendra Hero**, 9289922060; **Rohtak: Shivam Hero**, 9289922047; **Sirsa: Khanna Hero**, 9289923195; **Sonipat: Sidak Hero**, 9289922865; **Yamuna Nagar: Rohit Hero**, 9289922394; **Faridabad: Sehgal Hero**, 9289922419, **Sehgal Hero, NIT**, 9289207333, **Gurgaon: Himgiri Hero**, 9289923046, **Autoneeds Hero**, 9289922051, **Jaasodha Hero**, 9289922495, **Sharma Hero, Basai Road Sector 11**, 9289923221, **Hansi: Sunil Motors**, 9821744694.

FCB INTERFACE/0791/JUNE25/ENG